A Daily News Magazine
इंदौर
मंगलवार, 19 नवंबर, 2024

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 52, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

प्रतिद्वंद्वी रहे सऊदी अरब और ईरान के करीब आने के मायने

दिलनवाज़ पाशा

सऊदी अरब और ईरान मध्य पूर्व के अहम देश हैं और इस्लामिक दुनिया के नेतृत्व को लेकर प्रतिद्वंद्वी भी। मध्य पूर्व के इन दो प्रभावशाली देशों- सुन्नी बहुल सऊदी अरब और शिया बहुल ईरान के रिश्ते जटिल और तनावपूर्ण रहे हैं। धार्मिक, राजनीतिक और क्षेत्रीय कारण इन दोनों देशों के रिश्तों को प्रभावित करते हैं। लेकिन मार्च 2023 में चीन के सऊदी अरब और ईरान के बीच मध्यस्थता करने और फिर इजराइल और फ़िलिस्तीनियों के बीच बीते साल सात अक्टूबर के घटनाक्रम के बाद से ईरान और सऊदी के रिश्तों में बहुत कुछ बदल गया है। कभी एक दूसरे के आमने-सामने खड़े नज़र आने वाले ये देश अब क़रीब आते दिख रहे हैं।

हाल के दिनों के घटनाक्रम से स्पष्ट होता है कि अब दोनों ही देश दूरियां मिटाने और एक साथ दिखने का प्रयास कर रहे हैं। बीते एक महीने के भीतर ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराग़ची और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बीच दो मुलाक़ातें हुई हैं। दोनों देशों के रिश्तों के इतिहास को देखते हुए ये घटनाक्रम असाधारण है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराग़ची ने बिना किसी लाग लपेट के बुधवार को स्पष्ट कहा- 'क्षेत्रीय स्तर पर बातचीत कोई विकल्प नहीं बल्कि अनिवार्यता है।'

बीते सोमवार रियाद में इस्लामिक देशों के असाधारण और आपात सम्मेलन के बाद ईरान के उप-राष्ट्रपति मोहम्मद रेज़ा आरेफ़ ने सऊदी क्राउन प्रिंस से मुलाक़ात की। इस मुलाक़ात के दौरान आरेफ़ ने क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को ईरान आने की दावत भी दी और कहा कि ईरान और सऊदी अरब के रिश्तों के विकास के लिए जो नया रास्ता खुला है वह 'अपरिवर्तनीय रास्ता' है। सऊदी क्राउन प्रिंस से मुलाक़ात के बाद ईरानी उपराष्ट्रपति ने ये भी कहा कि ईरान और सऊदी अरब के रिश्ते बेहतर होने का असर सिर्फ़ इन दोनों देशों या मध्य पूर्व पर ही नहीं पड़ेगा बल्कि इससे क्षेत्र के इस्लामी देशों में भी भाईचारा बढ़ेगा। ईरानी उपराष्ट्रपति ने ये भी कहा कि दोनों देशों के बीच राजनीतिक रिश्ते सुधरने के बाद आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान और तकनीकी क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ेगा। वहीं, ईरानी उपराष्ट्रपति के साथ मुलाक़ात के बाद सऊदी क्राउन प्रिंस ने भी कहा था कि ईरान के साथ रिश्ते बेहतर करना सऊदी के भी हित में है।

रियाद में अरब देशों के सम्मेलन से एक दिन पहले, यानी बीते रविवार को, सऊदी क्राउन प्रिंस ने ईरानी राष्ट्रपति से फ़ोन पर वार्ता भी की थी। ईरान के सरकारी मीडिया के मुताबिक़, इस फ़ोन कॉल के दौरान ईरानी राष्ट्रपति ने सऊदी क्राउन प्रिंस से कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि दोनों देशों के रिश्ते और बेहतर होंगे।

वहीं रविवार को ही सऊदी अरब के सेना प्रमुख जनरल फ़याज़ बिन हमीत अल राविली तेहरान पहुंचे थे और उन्होंने ईरानी सेना प्रमुख मेजर जनरल मोहम्मद बाघेरी से मुलाक़ात की थी। दोनों देशों ने इस बैठक के दौरान रक्षा क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की थी।

सऊदी अरब और ईरान के बीच नस्लीय आधार पर सीधा बंटवारा है। सऊदी अरब सुन्नी बहुल है और इस्लाम धर्म का केंद्र है, वहीं ईरान शिया बहुल है और शिया इस्लाम का केंद्र हैं। इसी वजह से दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक रूप से एक वैचारिक मतभेद रहा है। सऊदी अरब और ईरान के बीच मुस्लिम दुनिया के प्रतिनिधित्व को लेकर प्रतिद्वंद्विता भी रही है। ईरान में 1979 में इस्लामिक क्रांति हुई और ईरान ने अपनी विचारधारा को दुनियाभर में फैलाने के प्रयास किए। इससे सऊदी और ईरान के बीच तनाव और भी बढ़ा। हालांकि, विश्लेषक ये मानते हैं कि ईरान और सऊदी के बीच प्रतिद्वंद्विता की वजह धार्मिक विचारधारा या सांप्रदायिक विभाजन नहीं बल्कि क्षेत्रीय कारण अधिक हैं।

अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ मुदस्सिर ख़ान कहते हैं, 'एक सामान्य धारणा है कि सऊदी अरब के सुन्नी और ईरान के शिया होने की वजह से इन दोनों देशों के बीच तनाव है। ये ज़रूर है कि ना ही ईरान ये चाहता है कि सऊदी बहुत प्रभावी हो जाए और ना ही सऊदी अरब ये चाहता है कि मध्य पूर्व में ईरान सबसे ताक़तवर हो जाए। यही मध्य पूर्व में ईरान और सऊदी अरब के बीच तनाव का मुख्य कारण रहा है।'

हाल के सालों में ईरान और सऊदी अरब के हितों के बीच टकराव स्पष्ट दिखा है। यमन में ईरान हूती विद्रोहियों का समर्थन करता है जबकि सऊदी अरब का हूतियों के साथ टकराव है। ईरान के साथ संबंध बेहतर कर सऊदी अरब ये चाहेगा कि वो हूतियों के साथ संघर्षविराम कर ले और यमन संघर्ष समाप्त हो जाए। दोनों देशों के रिश्तों के बीच अमेरिका का भी असर है। अमेरिका ईरान की बढ़ती ताक़त को ख़तरे के रूप में देखता है जबकि सऊदी अरब अपनी सुरक्षा के लिए बहुत हद तक अमेरिका पर निर्भर रहा है।

लेकिन हाल के सालों में सऊदी अरब ने सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भरता कम करने के प्रयास किए हैं। मार्च 2023 में चीन ने सऊदी अरब और ईरान के बीच मध्यस्थता करने और दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध बहाल होने की घोषणा की थी। वहीं हाल के सालों में ईरान ने रूस के साथ अपने संबंध और मज़बूत किए हैं। अमेरिका की डेलावेयर यूनिवर्सिटी में प्रोफ़ेसर और अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार मुक़तदर ख़ान कहते हैं, 'इसका असर ये हुआ है कि मध्य पूर्व के अरब देश ईरान को बड़ा ख़तरा मानने लगे और अरब देशों ने नस्लवादी राजनीति को लेकर इसराइल के साथ अपने संबंधों में बदलाव किया है और इसका नतीजा था अब्रहामिक अकॉर्ड या अब्राहम समझौता।' अब्राहम समझौतों का स्पष्ट संदेश ये था कि मध्य पूर्व में ईरान इसराइल से भी बड़ा ख़तरा है।

लेकिन अब सात अक्टूबर के घटनाक्रम के बाद, इस स्थिति में भी बदलाव हुआ है। सऊदी अरब, जो अमेरिका की मध्यस्थता से इजराइल के साथ समझौता करने जा रहा था उसने अभी तक इजराइल के साथ समझौता नहीं किया है। इसराइल और अरब देशों के बीच समझौते कराने वाले डोनल्ड ट्रंप फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति चुन लिए गए हैं। विश्लेषक मान रहे हैं कि इसका असर भी मध्य पूर्व के हालात पर होगा। अगर ईरान के साथ सऊदी अरब के संबंध बेहतर हो जाते हैं तो इसका सीधा असर इजराइल के साथ होने वाले समझौते पर पड़ेगा और इससे मध्य पूर्व भी प्रभावित होगा।' हालांकि सऊदी अरब को बहुत सोच समझकर चलना होगा क्योंकि सऊदी किसी सैन्य संघर्ष में सीधे शामिल होने का ख़तरा नहीं उठा सकता है।

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुप्रभात

अहम की लड़ाई, मिटा दो, मिटा दो
लगी आग जो है, बुझा दो, बुझा दो
उसी पर नहीं लिख सकी गीत जब मैं
ये कागज़, ये स्याही, हटा दो, हटा दो
भले सौ क़िताबें छपे कल को मेरी
जो उस तक न पहुँचे, नदी में बहा दो
भले साथ हों हम या मीलों हो दूरी
मेरे हो मेरे तुम, जहां को बता दो
दुहाई मुहब्बत की दूँगी नहीं मैं
अगर दिल करे तो ही मुझको सदा दो
गगन में चमकते हैं जितने सितारे
ले आओ, मेरी मांग इनसे सजा दो
है नादान 'ममता' मुहब्बत में माना
अढ़ाई से आखर तुम्हीं अब पढ़ा दो।

- ममता लड़ीवाल

प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा -

हमसे पूछे बिना प्रतिबंध न हटाएं, हालात गंभीर हैं

- दिल्ली-एनसीआर में सभी स्कूल बंद करने के निर्देश
- प्रदूषण का स्तर खतरनाक कैटेगरी में रिकॉर्ड
- दिल्ली में एक्यूआई - 495 पहुंचा, यह सीजन में सबसे बदतर

कई फ्लाइट्स 1 घंटे तक लेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली-एनसीआर रीजन में सरकारों को निर्देश दिया है कि प्रदूषण की गंभीर स्थिति देखते हुए 12वीं तक के स्कूल बंद करने पर फैसला लें।

एक्यूआई का स्तर नीचे लाने के लिए ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप स्टेज 3 और स्टेज 4 के सभी जरूरी प्रतिबंधों को लागू किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट के राज्य सरकारों को 5 निर्देश

- सभी राज्य सरकारें स्टेज 4 के प्रतिबंध तुरंत लगाएं और इनका सख्ती से पालन किया जाए।
- सभी राज्यों में एक टीम बनाई जाए जो स्टेज 4 के लागू होने पर नजर रखे।
- अगर किसी प्रतिबंध का उल्लंघन किया जाता है, तो ऐसे केस सुलझाने के लिए मैकेनिज्म बनाया जाए।
- जब तक हम अगला आदेश नहीं देते, तब तक स्टेज 4 ग्रेप लागू रहना चाहिए, भले एक्यूआई 450 से नीचे आ जाए।
- 10वीं और 12वीं की क्लास अभी भी लग रही है, एनसीआर में शामिल राज्य सरकारें तुरंत स्कूल बंद करने पर फैसला लें।

एक्यूआई 400 के पार पहुंचने पर ग्रेप लगाया जाता है

हवा के प्रदूषण स्तर की जांच करने के लिए इसे 4 कैटेगरी में बांटा गया है। हर स्तर के लिए पैमाने और उपाय तय हैं। इसे ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप) कहते हैं। इसकी 4 कैटेगरी के तहत सरकार पाबंदियां लगाती है।और प्रदूषण कम करने के उपाय जारी करती है।

जी20 मीटिंग में शामिल होने पीएम मोदी ब्राजील पहुंचे

संस्कृत मंत्रों से स्वागत हुआ, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से हो सकती है मुलाकात

रियो डि जेनेरियो (एजेंसी)। ब्राजील में सोमवार से 19वीं जी20 समिट शुरु हो गई। इसमें शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रियो डि जेनेरियो पहुंच चुके थे। यहां भारतीय समुदाय के लोगों ने संस्कृत मंत्रों से उनका स्वागत किया। समिट दो दिन 18 और 19 नवंबर तक चलेगी। इस इकोनॉमिक संगठन में 19 देश और 2 संगठन (यूरोपियन यूनियन और अफ्रीकन यूनियन) शामिल हैं। पिछली बार जी20 समिट का आयोजन भारत में हुआ था। इससे पहले मोदी दो दिन के लिए नाइजीरिया दौरे पर थे। वहां उन्हें सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान 'द ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर' से नवाजा गया। मोदी, ब्राजील के बाद गुयाना का दौरा करेंगे।

महाराष्ट्र और झारखंड में थमा चुनाव प्रचार, 20 नवंबर को डाले जाएंगे वोट

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र और झारखंड में सोमवार शाम से चुनावी शोर समाप्त हो गया है। अब महाराष्ट्र की सभी विधानसभा सीटों और झारखंड के दूसरे चरण की सीटों के लिए बुधवार, 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। वहीं दोनों राज्यों की सभी सीटों के लिए मतों की गणना 23 नवंबर को होगी। दोनों राज्यों में सभी दलों ने मतदाताओं को लुभाने के लिए पूरी ताकत झोंकी है। अब देखना होगा कि जनादेश किसके पक्ष में आता है।

मुंबई हमले से लेकर शिवाजी और बालासाहेब तक...

महाराष्ट्र के रंग में रंगे सीएम यादव, जमकर सुनाई कांग्रेस को खरी-खोटी

भोपाल (नप्र)। एमपी सीएम मोहन यादव महाराष्ट्र चुनाव में प्रचार के लिए पूरे दमखम से लगे हुए हैं। हाल ही में वह महाराष्ट्र की कलिना विधानसभा में आयोजित एक स्थानीय कार्यक्रम में उम्मीदवार अमरजीत सिंह के प्रचार के लिए पहुंचे थे। सीएम मोहन यादव ने इस दौरान कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने उम्मीदवार अमरजीत सिंह के नाम को लेकर कहा कि परमात्मा ने अब आपको चुनाव में लड़ने का योग बनाया लेकिन माता-पिता ने अमरजीत (जिनकी जीत ही अमर हो) उसका कोई क्या बिगाड़ लेगा। आपके माध्यम से चुनाव की बेला में हमारे एक-एक कार्यकर्ता अमरजीत बन जाए, इन सबको मैं बधाई देता हूं, अभिनंदन करता हूं।

कांग्रेस अध्यक्ष भगवान राम का विरोध क्यों करते हैं - पीसीसी चीफ जीतू पटवारी द्वारा रीजनल इंडस्ट्री कांक्लेव पर सवाल उठाने और पर्यटन के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के जर्मनी और इंग्लैंड के दौरे पर सवाल उठाने के बाद सीएम मोहन यादव ने इसका जवाब दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि मुझे इस बात का दुख है कि कांग्रेस अध्यक्ष भगवान राम का विरोध क्यों करते हैं, भगवान राम का अगर नाम विदेश में लिया जाता तो उसमें बुरा क्या है? यादव ने कहा कि कांग्रेस विकास और निवेश का विरोध करती है, इस कृत्य के लिए उसे माफी मांगनी चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के बयान पर रविवार रात को कहा कि पटवारी को इस तरह के बयान पर माफी मांगना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात का दुख है कि कांग्रेस अध्यक्ष भगवान राम का विरोध क्यों करते हैं, भगवान राम का अगर नाम विदेश में लिया जाता तो उसमें बुरा क्या है? यह वही लोग हैं जिन्होंने अयोध्या में भगवान राम के जन्म स्थान का भी विरोध किया था, मंदिर का विरोध किया था।

भगवान राम के बारे में ऐसी बात करना दुर्भाग्य की बात

यादव ने कहा कि ये अपनी अतीत से माफी मांगें, जब सुप्रीम कोर्ट ने दूध का दूध और पानी का पानी कर दिया तो भगवान राम के बारे में ऐसी बात करना बड़ी दुर्भाग्य की बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीतू पटवारी अयोध्या जाएं और उसका फोटो जारी करें। यह लोग केवल बात ही कर सकते हैं। भगवान राम के बारे में, भगवान कृष्ण के बारे में ऐसी बातें करना बड़े दुर्भाग्य की बात है।

विकास और निवेश का विरोध करती है कांग्रेस

यादव ने कहा कि कांग्रेस विकास और निवेश का विरोध करती है, इस कृत्य के लिए उसे माफी मांगनी चाहिए। मैं पक्ष-विपक्ष से ऊपर उठकर कहना चाहूंगा कि प्रदेश के विकास में सभी भागीदार बनें, आगे आएं और 'विकसित मध्यप्रदेश' में अपना योगदान दें। कांग्रेस के अध्यक्ष को इस तरह के बयान के लिए माफी मांगना चाहिए।

लाड़ली बहना का किया जिक्र

कार्यक्रम में लाड़ली बहना योजना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह लाडली बहना नहीं, लाड़ली बहनाओं के माध्यम से माता-बहनों के नारी सशक्तिकरण की सबसे बड़ी योजना है। ये योजना हमारी सनातन धर्म की भावना से जुड़ती है। हमने जब लाड़ली बहना की बात की तो वहां भी ये कांग्रेस और उनके चट्टे बट्टे छाती ठोक रहे थे, अरे काहे के लिए दे रहे हो, पैसे बिगाड़ रहे हो। माता-बहनों के हाथ में पैसा आए तो उस रुपए का एक-एक पैसा सदुपयोग होता है। हमने तो अभी लाड़ली बहनों को 1250 ही दिए, आप तो और आगे बढ़ गए 1500 पहले ही दे दिए और अब तो 2100 रुपए देने वाले हो।

मुंबई हमले का जिक्र

कार्यक्रम में मुंबई हमले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आज के इस बदलते दौर में पूरा देश बदल रहा है। मुझे इस बात का गर्व है। इस बदलते दौर में हम मुंबई को भूले नहीं है। इनके समय में ताज होटल में यहां गोलियां चल रही थीं। आतंकवादी हमले हो रहे थे और पाकिस्तान में दिवाली मन रही थी। अब पाकिस्तान का बाप भी करके बताए, उसे घर में घुसकर मारेंगे।

सर्द हवाएं चलने से प्रदेश में ठंड का असर

भोपाल (नप्र)। सर्द हवाएं चलने से मध्यप्रदेश में ठंड का असर है। इस वजह से अब स्कूलों की टाइमिंग भी बदली जा रही है। भोपाल में कई प्राइवेट स्कूलों ने 30 मिनट तक टाइमिंग बढ़ा दी है। इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर-उज्जैन में भी समय बदलेगा। मौसम विभाग के अनुसार, 20 नवंबर के बाद सर्दी का असर और बढ़ेगा।

पहाड़ों में जेटस्ट्रीम हवाएं चलने और वेस्टर्न डिस्टबेंस (पश्चिम विक्षोभ) की वजह से पिछले एक सप्ताह से कई शहरों में रात का टेम्प्रेचर लुढ़का है। भोपाल, उज्जैन और जबलपुर में तापमान सामान्य से 2 डिग्री तक कम है। वहीं, ग्वालियर-इंदौर में सामान्य के बराबर है।

मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले तीन-चार दिनों में कई शहरों में रात के टेम्प्रेचर में 2 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हो सकती है। उत्तरी हिस्से यानी ग्वालियर-चंबल संभाग में ठंड का असर ज्यादा बढ़ा रहेगा।

पूरे नवंबर सबसे ठंडा पचमढ़ी- पचमढ़ी पहाड़ और हरियाली से घिरा है। इस वजह से यहां दिन-रात दोनों ही सबसे ठंडे हैं। नवंबर महीने में यहां की रातें सबसे सर्द रही हैं। शनिवार-रविवार की रात में पारा 8.6 डिग्री सेल्सियस रहा। पचमढ़ी में एक सप्ताह में 3 बार पारा 10 डिग्री के नीचे रहा है।

भोपाल, जबलपुर-उज्जैन में सामान्य के नीचे पारा- भोपाल के अलावा जबलपुर और उज्जैन में भी रात का पारा सामान्य से कम है। ग्वालियर और उज्जैन में पारा 15 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है।

20 नवंबर तक ठंड का ऐसा ही दौर- मौसम विभाग के अनुसार, 20 नवंबर तक प्रदेश में ठंड का दौर बना रहेगा।

भोपाल के इन स्कूलों में अब यह टाइमिंग

भोपाल के कोलार, अरेरा कॉलोनी और ईदगाह हिल्स स्थित सेंट जोसेफ स्कूल ने अपनी टाइमिंग बढ़ा दी है। जो स्कूल सुबह 7.30 बजे शुरू होते थे, वह आज से सुबह 8 बजे लगना शुरू हो गए हैं। सेज इंटरनेशनल स्कूल ने एक हफ्ते पहले ही समय में बदलाव कर दिया था। अन्य स्कूलों की टाइमिंग भी बदली जा रही है।

पचमढ़ी में 8.2 डिग्री, भोपाल में 13.2 डिग्री रहा पारा

पचमढ़ी में रविवार-सोमवार की रात तापमान 8.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, भोपाल में 13.2 डिग्री, इंदौर में 15.7 डिग्री, ग्वालियर में 16.2 डिग्री, उज्जैन में 15 डिग्री और जबलपुर में 12.6 डिग्री सेल्सियस रहा। भोपाल और जबलपुर में पारा सामान्य से नीचे रहा।इसी तरह छिंदवाड़ा में 12.6 डिग्री, मंडला में 10.2 डिग्री, नौगांव में 12.2 डिग्री, रीवा में 12.6 डिग्री, उमरिया में 11.6 डिग्री और बालाघाट में 11.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 30°c
न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ मंगलवार, 19 नवंबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

कैलाश गहलोत भाजपा में शामिल

कहा- ईडी-सीबीआई के दबाव में 'आप' नहीं छोड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) और दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री पद से इस्तीफा देने के 24 घंटे बाद कैलाश गहलोत सोमवार को भाजपा में शामिल हो गए। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस दौरान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर भी मौजूद थे। भाजपा में शामिल होने के बाद कैलाश गहलोत ने कहा- लोग सोचते होंगे कि रातों-रात ये फैसला ले लिया। किसी के दबाव में आकर फैसला लिया, लेकिन मैं बता दूं कि मैंने जीवन में कभी दबाव में कोई काम नहीं किया है।

गुजरात के मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस छात्र की रैगिंग, मौत

- 15 पर एफआईआर, कॉलेज से सस्पेंड

गुजरात (एजेंसी)। गुजरात में पाटन जिले के जीएमईआरएस मेडिकल कॉलेज में फर्स्ट ईयर के एमबीबीएस छात्र की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मृत छात्र समेत अन्य जूनियर छात्रों की सीनियर्स ने रैगिंग की थी। इस दौरान सीनियर स्टूडेंट्स ने छात्र को 3 घंटे तक खड़ा रखा, जिसके बाद वह बेहोश हो गया। इलाज के लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई। घटना 16 नवंबर की है।

राहुल गांधी ने 'एक हैं तो सेफ हैं' का पोस्टर दिखाया

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की वोटिंग से 2 दिन पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने मुंबई के धारावी के रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट को लेकर भाजपा सरकार की नीति की आलोचना की। उन्होंने एक तिजोरी से 2 पोस्टर निकाले। एक पोस्टर में 'एक हैं तो सेफ हैं' लिखा था। दूसरे पोस्टर में धारावी की तस्वीर लगाई थी।

शिमला के हाटकोटी मंदिर में है अनोखा कलश

जंजीरों से नहीं बांधा तो भागने लगता है ये

शिमला (एजेंसी)। बात अगर भारत के हिल स्टेशन की हो, तो शिमला का नाम सबसे पहले आता है। यह शहर खूबसूरत वादियों, पहाड़ और शानदार मौसम के लिए जाना जाता है। शिमला की कई जगह पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। लेकिन यहां एक ऐसा मंदिर भी है, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं।

शिमला से 130 किमी दूर हाटेश्वरी माता का मंदिर है। यह मंदिर हिमाचल प्रदेश के पब्बर नदी के किनारे बसा एक प्राचीन गांव है। यह मंदिर बहुत प्रसिद्ध है और दूर दूर से लोग यहां माता के दर्शन के लिए आते हैं। इस मंदिर में एक ऐसा चमत्कार है, जिसे देखने वाला हैरान रह जाता है। आइए जानते हैं कि शिमला के हाटकोटी मंदिर के बारे में।

महाभारत काल से जुड़ा है इतिहास- जानकारी के अनुसार, इस मंदिर का इतिहास महाभारत काल से जुड़ा हुआ है। यहां मंदिर परिसर में 5 मठ बने हुए हैं, जिनमें शिव की प्रतिमाएं उकेरी गई हैं। कहते हैं कि ये मठ पांडवों द्वारा बनवाए गए थे। इन्हें लोग पांडवों का घर या पांडवों के खिलौने का घर कहते हैं। किवदंती के अनुसार, यहीं पर बैठकर पांडव माता रानी की पूजा किया करते थे।

मंदिर में चमत्कारी घड़ा

जब भी आप इस मंदिर में आएं, तो आपको एक बड़े आकार का तांबे का घड़ा दिखाई देगा। यह घड़ा काफी पुराना है। कहते हैं कि जब भी पब्बर नदी का जलस्तर बढ़ जाता है, तो यह घड़ा भागने लगता है, इसलिए इसे जंजीरों से बांधकर रखा जाता है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह जंजीरें माता रानी के पैरों के नीचे दबी हुई हैं।

7वीं शताब्दी की है माता की मूर्ति

मंदिर के गर्भगृह में रखी हाटेश्वरी माता की मूर्ति देखने योग्य है, जो महिषासुर का वध कर रही है। यह मूर्ति 7वीं शताब्दी की है। इसकी ऊंचाई 1.2 मीटर है। मूर्ति के 8 हाथ हैं। माता अपने बाएं हाथ में महिषासुर का सिर पकड़े हुई हैं। कहते हैं की माता का दाहिना पैर भूमिगत है। मरने के एक हाथ में चक्र और दूसरे में रक्तबीज है।

सनकी आशिक ने ग्वालियर में मां-बेटी को मारी गोली

घटना में मां की मौके पर ही मौत, बेटी जख्मी

ग्वालियर (नप्र)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में आपराधिक घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ग्वालियर के दौरार गांव में घर के बाहर सो रही 65 साल की बुजुर्ग महिला और उसकी बेटी को बदमाश युवक ने गोली मार दी। गोली लगने से मां की मौत हो गई। जबकि बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल बेटी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

बेटी के साथ चल रहा था आरोपी का अफेयर- वहीं, हमलावर की पहचान विष्णु पंडित के रूप में हुई है। पुलिस को जांच में पता लगा है कि मृतका की बेटी के साथ हत्या आरोपी के संबंध थे। दोनों के बीच कुछ दिन पहले विवाद हुआ था। वहीं, पुलिस ने फरार आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बेटी और उसके बच्चों के साथ रहती थी महिला- ग्वालियर देहात के मोहना थाना क्षेत्र स्थित दौरार गांव में 65 वर्षीय मीरा आदिवासी अपनी बेटी और उसके बच्चों के साथ रहती थीं। कुछ ही दूरी पर उसकी बड़ी बेटी रहती है। खेती कर अपना जीवन यापन कर रहे थे। मीरा की बेटी रज्जो के पास खेरिया जौरा निवासी विष्णु पंडित उर्फ विष्णु शर्मा का आना जाना था। अक्सर वह उनके ही घर पर बैठा मिलता था। दो दिन पहले उनके बीच कुछ कहासुनी हो गई थी।

मीरा ने विष्णु पंडित को बेइज्जत कर भगा दिया- इसी बात पर मीरा ने विष्णु पंडित को बेइज्जत कर वहां से भगा दिया था। घर के पुरुष रात को खेत पर पानी देने के लिए वहीं रुकते हैं और घर पर महिलाएं अकेली रहती हैं। सोमवार की सुबह जब मीरा की बड़ी बेटी विद्या घर पहुंची तो देखा कि दोनों के शव खून से सने पड़े थे। तत्काल मामले की सूचना पुलिस को दी गई। घटना का पता चलते ही पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची तो बुजुर्ग मीरा की मौत हो चुकी थी। जबकि रज्जो की सांस चल रही थी।

इरशाद खान 'सिकन्दर' को स्वयं प्रकाश स्मृति सम्मान

नई दिल्ली। दिल्ली। साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में कार्यरत संस्थान 'स्वयं प्रकाश स्मृति न्यास' ने सुप्रसिद्ध साहित्यकार स्वयं प्रकाश की स्मृति में दिए जाने वाले वार्षिक सम्मान की घोषणा कर दी है। न्यास द्वारा जारी विज्ञप्ति में डॉ दुर्गाप्रसाद अग्रवाल ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर के इस सम्मान में इस बार नाटक विधा के लिए सुपरिचित ग़ज़लकार और नाटककार इरशाद खान 'सिकन्दर' के नाटक 'जौन एलिया का जिन' को दिया जाएगा।

सम्मान के लिए तीन सदस्यी निर्णायक मंडल ने सर्वसम्मति से इस नाटक को वर्ष 2024 के लिए चयनित करने की अनुशंसा की है। निर्णायक मंडल के अध्यक्ष काशीनाथ सिंह (वाराणसी) ने अपनी संस्तुति में कहा कि नाटक के क्षेत्र में ऐसी युवा प्रतिभा का चयन गहरे संतोष का विषय है जो एक साथ हिंदी, उर्दू और भोजपुरी भाषाओँ में सक्रिय है। निर्णायक मंडल के वरिष्ठ सदस्य रंग आलोचक और संस्कृतिकर्मी रवींद्र त्रिपाठी ने संस्तुति में कहा कि इरशाद खान 'सिकन्दर'

का नाटक 'जौन एलिया का जिन' एक मशहूर शायर जौन एलिया की जिंदगी पर आधारित होने के साथ साथ उर्दू शायरी के कई महीन नुक्तों को भी सामने लाता है। दूसरे निर्णायक कवि आलोचक प्रो आशीष त्रिपाठी (वाराणसी) ने कहा कि नाटक के क्षेत्र में आ रहे नये लेखकों में इरशाद खान 'सिकन्दर' ने अपनी प्रतिभा से आश्वस्त किया है। उन्होंने नाटक को विचार और कला का मंजुल सहकार बताया। निर्णायक मंडल के तीसरे सदस्य युवा आलोचक और रंगकर्मी अमितेश कुमार (प्रयागराज) ने अपनी संस्तुति में कहा कि इरशाद खान 'सिकन्दर' बुनियादी तौर पर शायर हैं इसलिए इसमें हैरत की बात नहीं कि उन्होंने नाटक लिखने के लिए जो विषय चुना उसके केंद्र में शायरी है। जौन एलिया के बहाने वह उर्दू के साथ साथ भारतीय उपमहाद्वीप में बसी उर्दू - हिंदी की साझा विरासत की तह में जाते हैं और उसे पाठकों के लिए प्रकाशित करते हैं। नाटक लिखने से पहले उन्होंने रंगमंचीय जरूरतों को समझा है और इस क्रम में उन्होंने पाठ की साहित्यिकता का भी निर्वाह किया है। इससे संभव हुआ है ऐसा नाटक जो महज प्रदर्शन आलेख नहीं है। इसे मंच पर खेला जाना सहल है और पढ़े जाने का भी आनंद है। नए नाटकों में इस समन्वय को साधने की चेतना कम ही नाटककारों में दिखती है। डॉ अग्रवाल ने बताया कि फरवरी में आयोज्य समारोह में नाटककार इरशाद खान 'सिकन्दर' को सम्मानित किया जाएगा।

भाजपा नेता की सगाई में पहुंच गई टीचर प्रेमिका

फंक्शन में पुलिस बुलाई, रेप का केस कराया; शादी कैंसिल

बालाघाट (नप्र)। बालाघाट में भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सोहागपुरे का सगाई समारोह चल रहा था, तभी वहां उसकी टीचर प्रेमिका पहुंच गई। उसने भूपेंद्र पर रेप के आरोप लगाए और पुलिस को शिकायत की। इसके बाद पुलिस ने भूपेंद्र सोहागपुरे के खिलाफ दुष्कर्म, धमकी देना और जातिगत रूप में अपमानित करने का केस दर्ज किया गया है।

खास बात यह है कि आरोपी की सोमवार को यानी आज शादी होने वाली थी, जो कैंसिल हो गई। आरोपी की सगाई 17 नवंबर रविवार को थी। प्रेमिका वहां पहुंची और पुलिस बुला ली। बाद में महिला थाने पहुंचकर उसके खिलाफ शिकायत की। आरोपी की प्रेमिका सरकारी टीचर है।

केस दर्ज होने के बाद आरोपी फरार हो गया है। वहीं, पुलिस का कहना है कि पीड़ित का मेडिकल कराया गया है। कोर्ट में बयान के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तीन साल तक बात करने का दबाव बनाता रहा- ये मामला साल 2008 से 2024 के बीच का है। पीड़ित मिडिल स्कूल में टीचर है। उसने शिकायत में बताया कि साल 2008 में भूपेंद्र सोहागपुरे प्राइवेट बीएड कॉलेज में पढ़ता था। इसी दौरान दोनों की पहचान हुई थी। हालांकि, आरोपी ने कई बार बातचीत करने की कोशिश की, लेकिन मैंने मना कर दिया। तीन साल तक लगातार बात करने के लिए दबाव बनाता रहा। इसके बाद 17 दिसंबर 2012 को प्रपोजल स्वीकार कर लिया। उसने शादी का वादा किया था।

पीड़ित ने बताया-साल 2013 में सिंगरौली जिले में मिडिल स्कूल में बतौर टीचर नौकरी लग गई। 2020 तक यहां पदस्थ रही। जब छुट्टियों में अपने घर बालाघाट पहुंची। भूपेंद्र ने मुझे अपने दोस्त के कमरे पर बुलाया। यहां शादी का झांसा देकर संबंध बनाए।

हरिनी अमरसूर्या श्रीलंका की तीसरी महिला प्रधानमंत्री बनीं, दिल्ली यूनिवर्सिटी से पढ़ीं हैं

कोलंबो (एजेंसी)। हरिनी अमरसूर्या श्रीलंका की नई प्रधानमंत्री बनाई गई हैं। इस पद पर पहुंचने वाली वह श्रीलंका की तीसरी महिला नेता हैं। वे 2 महीने पहले श्रीलंका में बनी अंतरिम सरकार में भी प्रधानमंत्री रह चुकी हैं। प्रधानमंत्री बनाई गईं हरिनी अमरसूर्या की पढ़ाई 1991 से 1994 तक दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज से हुई है। उन्होंने 5 साल पहले ही राजनीति में एंट्री ली थी। श्रीलंका में 14 नवंबर को संसदीय चुनाव हुए थे। इसमें राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के गठबंधन एनपीपी को जीत मिली थी। सोमवार को सरकार की नई कैबिनेट का गठन किया गया।

खड़गे बोले- भाजपा और आरएसएस जहर की तरह

- ऐसे जहरीले सांपों को मार देना चाहिए, भाजपा बोली- यह भड़काऊ भाषण, ईसी एक्शन ले

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को भाजपा और आरएसएस की तुलना जहरीले सांप से की है। उन्होंने सांगली में चुनाव प्रचार के दौरान कहा- अगर भारत में राजनीतिक रूप से सबसे ज्यादा खतरनाक कोई चीज है तो वो है भाजपा और आरएसएस। वे जहर की तरह हैं।

रामलला का तिलकोत्सव

जनकपुरी से 500 मेहमान गिफ्ट लाए

- अयोध्या में महिलाएं गीत गा रहीं, मां सीता के छोटे भाई चढ़ा रहे थे तिलक

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में प्रभु श्रीराम को तिलकोत्सव चढ़ाया जा रहा है। 500 से ज्यादा जनकपुर के मेहमान अयोध्या पहुंचे हैं। वह 501 प्रकार का नेग लाए हैं। सीता जी की सखियां, जिन्हें 'तिलकहरू' कहा जाता है, अयोध्या में प्रभु राम के

तिलक के लिए विशेष नेग लेकर पहुंची हैं। श्री रामजी का तिलक सीताजी के छोटे भाई की भूमिका में आए जानकी मंदिर जनकपुर के छोटे महंत राम रोशन दास चढ़ाएंगे। रामसेवकपुरम में वेदज्ञ आचार्यों के मंत्रोच्चार के बीच तिलक चढ़ाया जाएगा। अयोध्या की महिलाओं की टोली अवध क्षेत्र के लोक गीत गा रही हैं।

मणिपुर, सुरक्षाबलों की गोली से एक प्रदर्शनकारी की मौत

2 दिन स्कूल बंद, केंद्र सरकार का सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 50 कंपनियां भेजने का फैसला

नई दिल्ली/इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में शनिवार रात भड़की हिंसा के बाद स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है। जिरिबाम जिले में रविवार को एक मैतेई प्रदर्शनकारी की पुलिस की गोली से मौत हो गई थी। इसके बाद हालात और खराब हो गए हैं।

इसे देखते हुए राज्य के स्कूलों में में 2 दिन के लिए छुट्टी कर दी गई है। गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को राज्य के सुरक्षा हालात का रिव्यू किया नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी मणिपुर हिंसा से जुड़े 3 मामलों की जांच करेगी। केंद्र सरकार ने हालात पर काबू पाने के लिए सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 50 कंपनियां (5 हजार जवान) मणिपुर भेजने का फैसला लिया है।

खड़गे बोले- मणिपुर के लोग मोदी को माफ नहीं करेंगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि भाजपा चाहती है कि मणिपुर जले। वह नफरत और बांटने वाली राजनीति कर रही है। 7 नवंबर से अब तक राज्य में 17 लोगों की जान जा चुकी है। कई अन्य जिलों में हिंसा भड़क रही है। मणिपुर के मामले में आप (पीएम मोदी) फेल रहे। अगर कभी भविष्य में आप मणिपुर गए तो वहां के लोग कभी आपको माफ नहीं करेंगे। वे कभी ये नहीं भूलेंगे कि आपने उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया।

कश्मीर और लद्दाख में बर्फबारी

बिहार में कोहरे के कारण 17 ट्रेनें, 6 फ्लाइट लेट, म.प्र. में स्कूलों की टाइमिंग बदली

नई दिल्ली/भोपाल/पटना/श्रीनगर (एजेंसी)। देश में ठंड के साथ-साथ कोहरे का असर भी लगातार बढ़ते जा रहा है। बिहार में कोहरे के कारण विजिबिलिटी घटने से 17 ट्रेनें लेट हो गईं। 6 विमानों के टेकऑफ और लैंडिंग में भी देरी हुई। मध्य प्रदेश में भी सर्द हवा चलने का दौर लगातार जारी है। अब स्कूलों की टाइमिंग भी बदली जा रही है। कश्मीर और लद्दाख में बर्फबारी के चलते मौसम सुहावना हो गया। पर्यटक बर्फबारी का लुत्फ उठा रहे थे।

डांस करते-करते दूल्हे को आया हार्टअटैक

- शादी से एक दिन पहले युवक की मौत से पसरा मातम

हाथरस (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के जिले हाथरस में शादी के ठीक एक दिन पहले डांस करते समय दूल्हे की हार्ट अटैक आने से मौत हो गई। परिजन उसे तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच करते ही युवक को मृत घोषित कर दिया। परिजनों को डॉक्टर की बात पर विश्वास नहीं हुआ तो निजी अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन यहां भी प्राथमिक चेकअप के बाद युवक मृत घोषित कर दिया गया।

लगवा दीजिये बोर्ड, गंगाजल पीने-नहाने लायक नहीं...

- वाराणसी डीएम को एनजीटी ने लगाई फटकार

वाराणसी (एजेंसी)। गंगा की सहायक नदी असी और वरुणा पर अतिक्रमण को लेकर एनजीटी ने आज बेहद तल्ख टिप्पणी की। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में असि और वरुणा पर हुए अतिक्रमण के मामले पर सुनवाई करते हुए जिला अधिकारी वाराणसी को कहा कि क्यों न आप बोर्ड लगवा दें कि गंगा जल नहाने और पीने योग्य नहीं है। वरुणा और असि के अतिक्रमण पर कार्यवाही की सुनवाई करते हुए एनजीटी के जजों ने जिला अधिकारी को यहां तक कहा कि आप ऐसा नहीं कह सकते कि शासन की तरफ देखना पड़ता है। आप स्वयं में इतने ताकतवर हैं।

आप गंगा का पानी पी सकते हैं?

दरअसल कोर्ट में वरुणा और असि नदी के ग्रीन बेल्ट में हुए अतिक्रमण की कार्यवाही को लेकर सुनवाई हो रही थी। याचिकाकर्ता के वकील सौरभ तिवारी ने बताया कि वरुणा और असि पर अतिक्रमण और प्रदूषण को लेकर सुनवाई हुई। ऑनलाइन सुनवाई में जिला अधिकारी वाराणसी भी मौजूद थे। इस सुनवाई के दौरान एनजीटी के जज अरुण कुमार त्यागी और सब्जेक्ट एक्सपर्ट के जज के तौर पर ए सेंथिल सुनवाई कर रहे थे। वरुणा और असि नदी के अतिक्रमण पर कार्यवाही को लेकर जिला अधिकारी जवाब दे रहे थे।

इंदौर में ठंडी हवाओं से सिरहन

पहली बार दिन का पारा 30 डिग्री से कम, रात में भी ठंड का अहसास

इंदौर (नप्र)। इंदौर में पिछले 24 घंटों में ठंड का असर दिखने लगा है। दिन का तापमान इस सीजन में पहली बार 30 डिग्री से कम रिकॉर्ड हुआ। हल्की ठण्डी हवाओं से सिरहन है, जबकि रात का तापमान भी चार दिनों से 15 डिग्री सेल्सियस के करीब है। इससे रात को भी ठण्ड का हल्का अहसास है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक 20 नवंबर के बाद इंदौर में ठण्ड का असर बढ़ेगा। इस दौरान रात का तापमान 12 से 13 डिग्री तक जा सकता है। इंदौर में सोमवार सुबह हल्की ठण्ड का अहसास था। दरअसल अभी हवा की दिशा पूर्वी बनी हुई है, इससे सर्दी कम महसूस हो रही है। यही कारण है कि रात का तापमान चार दिनों से एक जैसा बना हुआ है। हवा की दिशा उत्तरी होने पर इसमें 3-4 डिग्री की गिरावट आ जाएगी। नवंबर जैसे-जैसे आगे बढ़ेगा, सर्दी का दायरा भी बढ़ता चला जाएगा। फिलहाल अंधेरा होते ही ठंडापन तो महसूस हो रहा है लेकिन सर्दी जोरदार नहीं है। कई दिनों से पहाड़ों में जेटस्ट्रीम हवाएं चलने और वेस्टर्न डिस्टबेंस के कारण इंदौर में तापमान हल्का कम हुआ है। इसकी वजह उत्तर-पूर्वी हवाओं का असर कम होना है। इस वजह से मौसम में बदलाव देखने को मिला है, जो अगले कुछ दिन और बना रहेगा। अभी पश्चिम-उत्तर भारत के ऊपर जेटस्ट्रीम हवाएं चल रही हैं। वहीं, दक्षिणी हिस्से में एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एक्टिव है। अभी हवाएं तो आ रही हैं लेकिन उनकी रफ्तार कम है इसलिए सर्दी तेज नहीं है। इंदौर में सोमवार सुबह से मौसम साफ था। सुबह दृश्यता 1800 मीटर की थी जबकि हवा की गति 17 किमी प्रति घंटा थी जिससे सुबह 9.30 बजे तक हल्की ठण्डक थी। इसके बाद तेज धूप होने के कारण ठण्ड का असर खत्म हो गया।

इंदौर में ठंड का असर

इंदौर में नवंबर में ठंड का असर रहता है। खासकर तीसरे सप्ताह से पारा तेजी से गिरता है। इस वजह से रातें ठंडी हो जाती हैं और टेम्प्रेचर 10 से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। हालांकि, 25 नवंबर 1938 को पारा 5.6 डिग्री सेल्सियस तक जा चुका है। कभी-कभार बारिश भी हो जाती है। दिन में 31 से 33 डिग्री के बीच तापमान रहता है

इंदौर की सॉफ्टवेयर कंपनी का मालिक बड़वाह से लापता

दोस्तों के साथ तुलसी विवाह में शामिल होने पहुंचा, 5 दिन से नहीं मिली जानकारी

इंदौर (नप्र)। इंदौर की सॉफ्टवेयर कंपनी का मालिक बडवाह में दोस्तों के साथ घूमने के दौरान लापता हो गया, 5 दिन बाद भी उसकी जानकारी नही मिल पाई है। इधर मंगेतर ने गुमशुदगी को लेकर बडवाह थाने में केस दर्ज कराया। वही परिवार ने मामले में अनहोनी की आशंका जताई है। लसूडिया के असंल टाउनशिप में रामकुमार सिंह पुत्र वैधनाथ सिंह रहते है। जो इंदौर में बी रेडिकल्स इंडिया प्रायवेट लिमिटेड के नाम से पार्टनरशिप में सॉफ्टवेयर कंपनी चलाते है। मंगेतर अदिति ने 13 नवंबर को बडवाह थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई है। अदिति ने पुलिस को बताया कि रामकुमार कार से अपने दोस्त धर्मेंद्र पंवार,सचिन पीसे,अरविंद शर्मा और सारिका पिसे के साथ श्री करपातरी कल्याणी आश्रम नावघाटखेड़ी बडवाह में 12 नवंबर दोपहर तुलसी विवाह आयोजन में शामिल होने पहुंचे थे। रात में सभी वही रुके थे। अगले दिन

सुबह रामकुमार बिना बताए आश्रम से लापता हो गए। दोस्तों ने काफी तलाश किया लेकिन नही मिले। सूचना पर अदिति बडवाह पहुंची तो उसने मोबाइल पर कॉल किया जो बंद था और कार भी आश्रम के पास ही मिली। बाद में पुलिस को मामले की जानकारी दी गई।

दोस्त और मंगेतर के साथ पार्टनरशिप में कंपनी- जानकारी के मुताबिक रामकुमार सिंह ने दोस्तों और मंगेतर के साथ पार्टनरशिप में सॉफ्टवेयर कंपनी कुछ साल पहले शुरू की थी। रामकुमार सिंह के परिवार के लोगों ने बेटे की जानकारी नही मिलने को लेकर अनहोनी की आशंका व्यक्त की है।

इंदौर के सहयोग सोशल वेलफेयर ग्रुप का सेवा कार्य

बहु दिव्यांग बच्चों के छात्रावास 'अनुभूति विजन सेवा संस्थान' पहुंचे सदस्य, कई प्रस्तुतियां हुईं

इंदौर (नप्र)। सहयोग सोशल वेलफेयर ग्रुप के सदस्य 17 नवंबर को बहु दिव्यांग बच्चों के छात्रावास 'अनुभूति विजन सेवा संस्थान' ग्राम माया खेड़ी पहुंचे। इस दौरान नेपू सिरोहिया, सविता सिरसाट, हंसा थोरात, आरती कापसे, गायत्री खराटे ,राधा साहू, चंद्रकला महाराज, दीपमाला कदम, संध्या टोंगे आदि सदस्यों ने बच्चों के बीच समय बिताया और कई इवेंट किए। कार्यक्रम की शुरुआत ग्रुप ने गायत्री मंत्र और महामृत्युंजय मंत्र के साथ हुई। विद्यार्थियों ने स्वागत गीत गाकर ग्रुप के सदस्यों का स्वागत किया। इस दौरान बच्चों ने सुंदर गानों की प्रस्तुति दी और नृत्य किया। संस्थान की एक छात्रा ने संस्था के बारे में बताया कि एक विद्यार्थी से यह संस्था प्रारंभ हुई थी और अब करीब 70 बच्चे हैं, जो मध्य प्रदेश के अलग-अलग जिलों से आए हैं। यहां विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ योग, नृत्य, संगीत और क्राफ्ट आदि की भी शिक्षा दी जाती है। बच्चों के प्रति समर्पण की भावना और यहां का खुशगवार माहौल देखकर ग्रुप के सदस्य प्रभावित हुए।

मंदिर का चबूतरा तोड़ा,बावड़ी में मिट्टी डलवाई

फैक्ट्री संचालक और साथियों पर एफआईआर

इंदौर (नप्र)। इंदौर के बाणगंगा पुलिस ने इलाके में मंदिर का चबूतरा तोड़े जाने और बावड़ी में मिट्टी डलवाने को लेकर फैक्ट्री के संचालक और उसके साथियों पर केस दर्ज किया है। यहां रहवासियों ने आरोप लगाया कि खाली पड़ी जमीन पर कब्जे को लेकर सुनियोजित तरीके से यह काम किया गया है। पुलिस केस दर्ज करने के बाद अब पूरे मामले में जांच कर रही है।

मूर्ति उठाकर बावड़ी में डाल दी- बाणगंगा पुलिस ने दिलीप सिंह सोलंकी की शिकायत पर गुड्डू हाजी और उसके दो साथियों पर केस दर्ज किया है। सोलंकी ने बताया कि उनके पास कुछ लोग पहुंचे और बताया कि ग्राम नरवल के नाले किनारे जो भेरू बाबा की मूर्ति थी, वह मौके पर नही है और वही पास में जो बावड़ी बनी थी। जिसके आसपास बैठकर लोग पूजा करते है, उसमें मिट्टी भरी हुई है, वही चबूतरा भी टूटा हुआ है। दिलीप सिंह आसपास के लोगों के साथ बावड़ी पर पहुंचे। मौके पर पता चला कि सुपर इंडस्ट्री के नाम से फैक्ट्री संचालित करने वाला गुड्डू हाजी अपने दो साथियों के साथ आया। जिसने मूर्ति उठाकर बावड़ी में डाल दी, इसके बाद उस पर मिट्टी डलवा दी, बात करने पर उसने विवाद शुरू कर दिया। दिलीप के साथ ग्राम नरवल के राधाकृष्ण जायसवाल, राजकुमार शर्मा, प्रतीक सिंह बघेल, राजीव मेहरा, जितेंद्र तिवारी और ईश्वर जोशी सहित कई लोग थाने पहुंचे थे। उन्होंने मंदिर में नुकसान होने पर धार्मिक भावना आहत होने का आरोप लगाया। पुलिस ने इसके बाद आरोपियों पर कार्रवाई की है।

युवती ने रिलेशनशिप तोड़ी तो देने लगा धमकी

युवक बोला- पूरे परिवार को खत्म कर दूंगा ; शादी मुझसे ही करनी पड़ेगी

इंदौर (नप्र)। भंवरकुआ में एक युवती ने युवक से रिलेशनशिप तोड़ी तो वह उसे जान से मारने की धमकी देने लगा। आरोपी ने कहा कि अगर शादी नहीं की तो परिवार को जान से खत्म

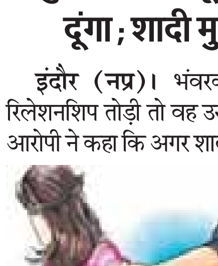

कर देगा। आरोपी लगातार कॉल कर युवती को धमका रहा है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी युवक पर केस दर्ज किया है। भंवरकुआ पुलिस ने निजी कंपनी में काम करने वाली युवती की शिकायत पर राहुल ठाकुर पर छेडछाड़ करने और धमकाने के मामले में केस दर्ज किया है। युवती ने पुलिस को बताया कि आरोपी राहुल ठाकुर उसकी कॉलोनी में ही रहता है। वह उससे 5 साल से रिलेशनशिप में थी। दोनों के बीच काफी अच्छी दोस्ती थी। राहुल की हरकते ठीक नहीं है। इस कारण से 1 साल से बात नही कर रही। उससे दूरी बना ली है। इसके बाद लगातार राहुल आने जाने के दौरान पीछा करने लगा। युवती ने बताया कि वह खुलकर कही आ जा नही पा रही। वह लगातार कॉल कर धमकियां दे रहा है। उसका कहना है कि शादी उसी से करना पड़ेगी। रिलेशनशिप तोड़ने से कुछ नही होगा। अगर शादी कही और करने का सोचा और उसकी बात नही मानी तो परिवार को जान से खत्म कर देगा। जो भी फोटो उसके पास है। उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा। परेशान होकर पीड़िता ने रविवार को अपनी बुआ के घर जाकर उन्हें पूरी बात बताई। बाद में थाने जाकर आरोपी राहुल ठाकुर के खिलाफ केस दर्ज कराया।

दरवाजे पर लिखा-मकान बिकाऊ है, मैं इनकी प्रताड़ना से परेशान हूं

इंदौर में पीड़ित बोला-धमका रहे आरोपी, घर पर फेंके सुतली बम-कीलें

इंदौर (नप्र)। इंदौर में एक युवक ने अपने घर के दरवाजे पर यह मकान बिकाऊ है। मुस्लिम प्रताड़ना से परेशान हूं , का मैसेज लिखा है। उसका कहना है कि आरोपी पुराने केस में राजीनामे के लिए धमका रहे हैं। आरोपियों ने उसके घर पर सुतली बम और कीलें भी फेंकी। मामला प्रकाश के बगीचे कॉलोनी में शनिवार देर रात का है। रविवार को इस घटना की जानकारी मिलने पर बजरंग दल के कार्यकर्ता वहां पहुंचे और उन्होंने हंगामा किया। उन्होंने पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद 7 आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

पुराने केस में राजीनामे का बना रहा दबाव

पीड़ित युवक राजेश कलमोइया के परिजन ने बताया कि- राजेश घर के पास ही अंडे का ठेला लगाता है। करीब एक महीने पहले मोहल्ले में पाइप लाइन का काम किया जा रहा था। तभी सामने रहना वाला शादाब शानू उसे घूरकर देख रहा था। इस बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। शादाब ने राजेश को धमकाया और गालियां दी। इसके बाद एससी-एसटी एक्ट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया था। इसी केस में राजीनामे के लिए वह राजेश पर दबाव बना रहा था।

पत्नी ने अंदर खींच लिया, वरना झुलस जाता

राजेश ने बताया कि शनिवार रात को हम सोए थे। करीब पौने 3 बजे धमाके की आवाज आई। मैं और मेरी पत्नी बाहर आए। देखा यहां पड़ोसी रईस खड़ा था। उससे पूछा कि कौन था तो उसने कोई नहीं का जवाब दिया। तभी यहां पास पड़े बम को देखकर मेरी पत्नी ने मुझे अंदर खींच लिया। वर्ना मैं झुलस जाता है। मुझे जान से मारने की धमकी दी जाती है।

पुलिस ने जांच के लिए भेजे कील और छर्रे

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने कहा कि पीड़ित को डराने के लिए छर्रे और कील के साथ सुतली बम फेंके गए। एडिशनल डीसीपी आनंद यादव मौके पर पहुंचे। उन्होंने सीसीटीवी खंगाले और डॉग स्क्वायड बुलवाया। वहां कुछ छर्रे और कील मिली हैं। जिन्हें जांच के लिए लैब भेजा है। इस बीच दूसरा पक्ष भी वहां पहुंच गया और आरोपों को झूठा बताया।

मेयर अंतर विद्यालयीन खेल स्पर्धाएं 20 नवंबर से

खिलाड़ियों को मिलेगी 20 लाख से अधिक की इनाम राशि, 6 हजार खिलाड़ी भाग लेंगे

इंदौर (नप्र)। इंदौर में 20 नवंबर से महापौर अंतर विद्यालयीन खेल स्पर्धा का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विजेता, उपविजेता और तीसरा स्थान प्राप्त टीमों तथा खिलाड़ियों को करीब 20 लाख से अधिक की नगद राशि का इनाम प्रदान किया जाएगा। मेयर पुष्यमित्र भार्गव और मध्य प्रदेश ओलंपिक संघ अध्यक्ष रमेश मेंदोला के नेतृत्व में इंदौर नगर निगम और मध्य प्रदेश ओलंपिक संघ के संयुक्त तत्वावधान में यह आयोजन किया जा रहा है। इसमें विजेता, उप विजेता, तीसरा स्थान प्राप्त टीमों और खिलाड़ियों को करीब 20 लाख से अधिक की नगद राशि का इनाम प्रदान किया जाएगा। निगम के खेल उत्सव प्रभारी नंदकिशोर पहाड़िया और मप्र ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष ओम सोनी ने बताया कि स्पर्धा के अंतर्गत बैडमिंटन, टेबल टेनिस, बिलियर्ड्स, टेबल टेनिस, बास्केट बॉल, फुटबॉल, नेटबॉल, जूडो, बॉक्सिंग, हैंडबॉल, कबड्डी, ताइक्कांडो, खो खो, हॉकी, सॉफ्टबॉल, कराते, सितोलिया, ऐथ्लैटिक्स, वॉलीबॉल, जिमनास्टिक, योग, कुश्ती, शतरंज, गोल्फ, स्केटिंग तथा क्रिकेट आदि 26 खेलों की स्पर्धाएं आयोजित की जाएगी।

इंदौर में हेम पद्म पंचाह्निका महा महोत्सव

शंखेश्वर जैन मंदिर में सुबह से रात तक चली पूजन, दीप श्रृंगार से जगमगाया मंदिर, देर रात महाआरती

इंदौर (नप्र)। संसार में खुश रहना है तो मन पर नियंत्रण जरूरी है, जीवन में सही मार्ग पर चलना है तो देव, गुरु और धर्म की आराधना जरूरी है। पंचाह्निका महा महोत्सव में इन दिनों देवताओं का पूजन, धर्म के

अनुसार आराधना और गुरु का मार्गदर्शन इन तीनों का अद्भुत अलौकिक आनंद यहां प्राप्त हो रहा है। भक्ति भी योग है, बस इसके लिए मन पर नियंत्रण का अंकुश जरूरी है जो गुरु और अरिहंत की कृपा से प्राप्त होगा।यह विचार हेम पद्म पंचाह्निका महा महोत्सव धर्म सभा में साधु साध्वियों के द्वारा धर्मसभा मे व्यक्त किए गए। पश्चिम क्षेत्र के 60 फीट रोड रतन बाग स्थित शंखेश्वर पार्श्वनाथ नवरत्न धाम मंदिर पर महा महोत्सव के दूसरे दिन रविवार को आचार्य मुक्ति सागर जी महाराज, यशोविजय जी महाराज, हेमप्रज्ञा श्रीजी महाराज, मुक्तिरेखा श्रीजी महाराज, अर्चितगुणा श्रीजी महाराज, प्रेमलता श्रीजी महाराज, शुचिप्रज्ञा, मेघवर्षा श्रीजी महाराज, हर्षितप्रज्ञा श्रीजी महाराज, शीलगुर्णा श्रीजी महाराज ने धर्मसभा को संबोधित किया। आचार्यों-संतों आदि की निश्रा में दिव्य आयोजन 20 नवंबर तक जारी रहेगा। ललित सी. जैन, प्रीतेश औसतवाल, दीपक सुराना ने बताया कि सुबह से ही मंत्रोच्चारण पूजन का क्रम शुरू हुआ, जो तकरीबन 8 घंटे जारी रहा। दोपहर में हवन मे आहुतियां दी गई।

इंदौर से जम्मू और बिलासपुर जाने वाली ट्रेनें निरस्त

रेलवे ब्लॉक और नई लाइन के कारण कई ट्रेनें प्रभावित

इंदौर (नप्र)। इंदौर से जम्मू (कटड़ा) जाने वाली ट्रेनों के आने-जाने के समय में अस्थायी बदलाव हुआ है। उत्तर रेलवे के फिरोजपुर मंडल में रेलवे ब्लॉक के कारण जम्मू जाने वाली ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। इंदौर से जम्मू (कटड़ा) जाने वाली 09321 सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन को आज यानी 18 नवंबर से 25 नवंबर तक निरस्त कर दिया है। जबकि मालवा एक्सप्रेस को परिवर्तित रूट से चलाया जाएगा। इसी तरह दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के शहडोल-न्यू कटनी जंक्शन स्टेशन के बीच नौरोजाबाद रेलवे स्टेशन पर तीसरी लाइन की कनेक्टिविटी के लिए प्रस्तावित ब्लॉक के कारण इंदौर-बिलासपुर-इंदौर ट्रेन निरस्त रहेगी। बिलासपुर से इंदौर आने वाली 18234 ट्रेन 22

से 30 नवंबर तक और इंदौर से बिलासपुर जाने वाली 18233 ट्रेन 23 नवंबर से 1 दिसंबर तक निरस्त रहेगी।

रेगुलेटरी-शेड्यूल ट्रेनें

1. जम्मू से इंदौर (महू) तक आने वाली मालवा एक्सप्रेस को बदले हुए समय पर चलाया जाएगा। 22 नवंबर को मालवा एक्सप्रेस कटड़ा से 45 मिनट देरी से चलेगी। जबकि 24 नवंबर को एक घंटा, 27 को दो घंटे देरी से चलेगी। ट्रेन का कटड़ा से रवाना होने का निर्धारित नियमित समय सुबह 8.35 बजे है।

2. 22942 उधमपुर-इंदौर एक्सप्रेस ट्रेन 27 नवंबर को अपने निर्धारित समय सुबह 11 बजे की जगह उधमपुर से 90 मिनट देरी से रवाना होगी।

3. 12472 कटड़ा-बांद्रा स्वराज एक्सप्रेस 25 नवंबर को निर्धारित समय सुबह 10.05 मिनट की जगह कटड़ा से 90 मिनट देरी से चलेगी।

4. साप्ताहिक 12478 कटड़ा-जामनगर एक्सप्रेस 24 नवम्बर को निर्धारित समय सुबह 10 बजे की जगह कटड़ा से एक घंटे देरी से रवाना होगी।

परिवर्तित मार्ग से चलने वाली ट्रेनें

1. इंदौर से कटड़ा जाने वाली मालवा एक्सप्रेस 12919 एक्सप्रेस 26 नवम्बर तक लुधियाना-फिल्लौर-नकोदर-लोहियांखास-कपूरथला-जालंधर सिटी के रूट से चलेगी।

इंदौर में इंस्टाग्राम पर दोस्ती, फिर छात्रा से रेप

बात करना बंद की तो वीडियो वायरल करने की दी धमकी, मामला दर्ज

इंदौर (नप्र)। इंदौर के लसूडिया में इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद एक छात्रा के साथ रेप का मामला सामने आया है। आरोपी ने तीन साल तक पीड़िता से दोस्ती कर उसके साथ संबंध बनाए। इसके बाद छात्रा ने मिलना बंद किया तो आरोपी उसे व्हाट्सएप पर फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देने लगा, उक्त मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है।

इंस्टाग्राम पर हुई थी दोस्ती

लसूडिया पुलिस ने बताया कि 12 वी क्लास में पढ़ने वाली छात्रा की शिकायत पर आदित्य पर रेप, धमकाने और ब्लैकमेल करने के मामले में केस दर्ज किया है। आगे बताया कि पीड़िता शासकीय स्कूल में पढ़ाई कर रही है। उसकी पहचान साल 2021 में इंस्टाग्राम पर आरोपी से हुई थी। इसके बाद दोनों की अच्छी दोस्ती हो गई और दोनों मिलने लगे। आदित्य ने कहा कि वह शादी करना चाहता है, वह समाज का भी है तो दिक्कत नही आएगी और परिवार से बात कर लेगा।

शादी का झांसा देकर किया रेप

साल 2022 में आदित्य ने लसूडिया मोरी में एक गोदाम में छात्रा को मिलने बुलाया। इस दौरान उसने सबंध बनाने का दबाव डाला तब उसे रोका। आदित्य ने कहा कि अगर सबंध बन गए तो शादी करने से परिवार के लोग भी नही रोकेगे। उसकी बातों में आ गई, इसके बाद आदित्य ने कई बार यहां बुलाकर रेप किया।

वीडियो वायरल करने की धमकी दी

पीड़िता ने शिकायत में बताया कि करीब 5 माह पहले आदित्य की हरकत ओर शादी को लेकर बात नही करने के चलते मिलना बंद कर दिया। इसके बाद आदित्य बार-बार कॉल कर मिलने आने के लिये दबाव बनाने लगा। इनकार करने पर कहा कि वह फोटो और वीडियो व्हाट्सएप पर डाल देंगा। उसके परिवार के लोगों को भी शेयर कर देगा। उसकी बात नही मानी तो लगातार धमकी देने लगा। परेशान होकर बहन को पूरी घटना बताई और उसने मां से बात की। रविवार को मामले में थाने पहुंचकर शिकायत की गई, पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है।

दोस्त का अपहरण भी किया, कपड़े उतरवाकर वीडियो बनाया

लसूडिया थाने में 18 साल के बीकॉम सेकेण्ड ईयर के स्टूडेंट ने रेप केस में फंसे आरोपी आदित्य और संदीप वर्मा पर रविवार को अपहरण और कपड़े उतरवाकर वीडियो बनाने व मारपीट करने की धाराओं में भी केस दर्ज कराया है, टीआई तारेश सोनी ने बताया कि घटना 21 अक्टूबर की है। छात्र ने बताया कि वह उसकी दोस्त के इंस्टाग्राम आईडी से मिलने के लिये मैसेज आया। जिसमें उसने तलावली चांदा तरफ बुलाया। यहां पर वह अपनी युवती दोस्त का इंतजार कर रहा था। तब वहां एक पिकअप गाड़ी में आदित्य,संदीप व अन्य लोग आए। उन्होंने गाड़ी में बैठाया और आगे ले गए। यहां रास्ते में कपड़े उतरवाकर उसका वीडियो बनाया और मारपीट की। उन्होंने युवती से मिलने की बात पर धमकाया। वही बाइक पर बैठाकर बाद में तालाब के पास छोड़ गए। छात्र ने डर के चलते यह बात किसी को नही बताई। युवती को जब आदित्य धमका रहा था तो वह थाने पहुंची। यहां पर उसने बताया कि उसके दोस्त के साथ भी आरोपियों ने इस तरह की हरकत की है। पुलिस ने बाद में छात्र के बयान पर अपहरण, मारपीट और अश्लील वीडियो बनाने का मामला दर्ज किया है। इस मामले में अभी एक आरोपी को पुलिस ने हिरासत में लिया है, बाकी की तलाश जारी है।

रास्ते से हटाने बनाया वीडियो

आदित्य से पहले युवती की दोस्ती थी। दोनों साथ घूमते थे। बाद में अन्य युवक से दोस्ती कर ली। यह बात आदित्य को खटकती थी। उसने बदला लेने की नीयत से युवती की आईडी से युवक को मैसेज कर बुलाया और उसके साथ मारपीट कर वीडियो बना लिया। टीआई सोनी के मुताबिक आरोपियों ने वीडियो वायरल नही किया था। युवक को रास्ते से हटाने के लिये उसे अपने पास रखा हुआ था।

संपादकीय

रक्षा क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि

भारत ने रविवार को अत्याधुनिक हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण कर रक्षा क्षेत्र में न सिर्फ बड़ी उपलब्धि हासिल की है बल्कि यह दुनिया के उन चुनिंदा 4 देशों में शामिल हो गया है, जिनके पास हाइपरसोनिक मिसाइल बनाने की तकनीक है। इसे डीआरडीओ (रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन) ने लंबे समय से की जा रही मेहनत के बाद तैयार किया है। हमारे रक्षा वैज्ञानिक इसके लिए बधाई के पात्र हैं। देश रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी ने इसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए भारत के लिए एक ऐतिहासिक पल बताया है। लंबी दूरी की इस हाइपरसोनिक मिसाइल की रेंज 1500 किलोमीटर से ज़्यादा है। यह हवा, पानी और ज़मीन तीनों जगहों से दुश्मन पर हमला कर सकती है। गौरतलब है कि साल 2020 में डीआरडीओ ने एक हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी डेमोंस्ट्रेटेड व्हीकल (एचएसटीडीवी) का सफल परीक्षण किया था। हाइपरसोनिक मिसाइल से तात्पर्य उन मिसाइलों से है, जो आवाज़ की गति से भी पाँच गुना तेज़ रफ़्तार से अपने लक्ष्य की ओर बढ़ती हैं। वहीं, सबसोनिक मिसाइल ध्वनि की गति को पार नहीं कर पाती हैं, जबकि सुपरसोनिक मिसाइल ध्वनि की गति से दो से तीन गुना गति तक ही जा पाती हैं। इस बारे में रक्षा विशेषज्ञ एयर कमोडोर (डॉ.) अशमिंदर सिंह बहल (रि) के अनुसार हाइपरसोनिक मिसाइल पहले आसमान में क़रीब 100 किलोमीटर ऊपर जाती है। यानी वह पहले धरती के वायुमंडल को पार करती है फिर स्पेस में दाखिल होती है। इस दौरान वह क्रूज फेज में रहती है फिर वह धरती पर अपने टारगेट की तरफ बढ़ती है। इन दिनों इजराइल ईरान युद्ध तथा रूस यूक्रेन युद्ध में भी दुश्मन पर हमले के लिए इनका खूब इस्तेमाल हो रहा है। यह बेहद घातक होती है। जानकारों के अनुसार हाइपरसोनिक मिसाइल पर कवेंशनल और न्यूक्लियर वॉर हेड दोनों लगाए जा सकते हैं। भारत द्वारा परीक्षित मिसाइल की रेंज क़रीब 1700 किलोमीटर है और इसे गेम चेंजर की तरह देखा जा रहा है। हालांकि अभी इसका परीक्षण सफल हुआ है। लेकिन सेना के तीनों अंगों में इसके ऑपरेशनल होने में अभी तीन साल का वक्त लग सकता है। हाइपरसोनिक मिसाइल की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह सबसे आधुनिक मिसाइल है। इतनी तेज़ी से अपने टारगेट की तरफ़ बढ़ती है कि उसे एंटी मिसाइल सिस्टम ट्रैक नहीं कर पाता है।

वे कहते हैं, अमेरिका का बनाया 'टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस' यानी 'थाड' और इजराइल का 'आयरन डोम' सिस्टम भी हाइपरसोनिक मिसाइलों को नहीं पकड़ पाता है। ये एंटी मिसाइल सिस्टम हैं जिनकी रेंज 250 किलोमीटर पर आकर ख़त्म हो जाती है। अगर हाइपरसोनिक मिसाइल का पता लग भी जाए तो उसे मार गिराना टेढ़ी खीर है। उसके लिए किसी भी देश के पास एरो-3 सिस्टम की ज़रूरत होगी। इसकी रेंज क़रीब 2500 किलोमीटर है। इस बीच ईरान के 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसकी 'अल-फ़तह' हाइपरसोनिक मिसाइल की रेंज 1400 किलोमीटर है और वह मिसाइल को नष्ट करने वाली सभी रक्षा प्रणालियों को चकमा देकर उन्हें तबाह करने की क्षमता रखती है।

दुनिया में अभी रूस और चीन के पास हाइपरसोनिक मिसाइलें हैं, जबकि अमेरिका भी भी इन मिसाइलों के मामले में परीक्षण के दौर से ही गुजर रहा है। इस सफल परीक्षण के बाद भारत जल्द ही अपनी खुद की हाइपरसोनिक मिसाइलें बनाने लगेगा। इससे रक्षा क्षेत्र में दक्षिण एशिया में उसकी धाक कायम रहेगी। यह तरक्की पड़ोसी पाकिस्तान और चीन को परेशान करने वाली हो सकती है। हालांकि रक्षा क्षेत्र में चीन हमसे बहुत आगे है। लेकिन भारतीय रक्षा वैज्ञानिकों ने भी दिखा दिया है कि वो भी किसी से कम नहीं हैं।

नजरिया

नवीन कुमार

(वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक)

महाराष्ट्र : एक नारे से क्यों गरमाया चुनावी माहौल

महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव प्रचार का अंतिम दौर है। यहां 20 नवंबर को अंतिम दौर का मतदान होगा। लेकिन, चुनाव प्रचार के दौरान राजनीतिक नारों को लेकर जमकर खींचतान हुई। बीजेपी नीत महायुति के 'बटेंगे तो कटेंगे' नारे पर विपक्ष के साथ महायुति के नेताओं ने भी आपत्ति उठाई। क्योंकि, वे ऐसे नारों को महाराष्ट्र की राजनीतिक संस्कृति के अनुरूप नहीं मानते। पार्टियां नारों का तो सहारा ले रही है, मगर इन नारों के बीच चुनाव में असल मुद्दे गायब हो गए। यही वजह है कि समस्याओं को विपक्ष ने अपना चुनावी हथियार बनाया।

महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार के दौरान 'बटेंगे तो कटेंगे' नारे को लेकर सियासत गर्म है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महायुति के चुनाव प्रचार में ये नारे लगाए हैं। लेकिन, विपक्ष को यह नारा रास नहीं आया। हालांकि, महायुति के भी कुछ नेताओं ने इस पर नाराजगी जताई। लेकिन, राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जहां योगी का समर्थन किया है वहीं बीजेपी के नेता और राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस नारे को लेकर लोगों की गलतफहमी दूर करने की भी कोशिश की। उन्होंने इस नारे के पीछे जो मकसद है उसका खुलासा किया है। उनका कहना है कि हमें इतिहास में झांकना चाहिए। जब हम बंटे हुए थे तब विदेशियों ने हम पर आक्रमण किया था और हम गुलाम बने थे।

इसलिए योगी ने इस नारे के जरिए हमें एकजुट होने की अपील की है। लेकिन, कुछ लोग इसे अलग संदर्भ में पेश कर रहे हैं। भले ही फडणवीस ने तार्किक तरीके से समझाने की कोशिश की, लेकिन विपक्ष के साथ बीजेपी के भी कुछ नेता इस तरह से विरोध जता रहे हैं। इससे यह भी लग रहा है कि इस नारे को लेकर बीजेपी और महायुति में मतभेद है। इनका मानना है कि यह नारा महाराष्ट्र की संस्कृति के अनुकूल नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक हैं तो सेफ हैं' नारे पर भी विपक्ष आपत्ति जता रहा है।

वैसे, मोदी का केंद्रीय राजनीतिक काल नारों की सीढ़ियों पर चलता रहा है। उनके अब तक के कार्यकाल में कई जुमले आए, जिसमें उन्हें अपनी जीत दिखी। लेकिन, 2024 के लोकसभा चुनाव में मोदी के लिए यह नारा 'अबकी बार 400 पार' सही साबित नहीं हुआ। यह नारा बीजेपी ने संसद में 400 के पार सांसद को चुने जाने के लिए लगाया था। लेकिन, बीजेपी 300 के पार भी नहीं जा पाई। यह बीजेपी के लिए अच्छा नहीं था। इसमें महाराष्ट्र का बड़ा योगदान माना जा रहा है। क्योंकि, बीजेपी को महाराष्ट्र की 48 में से 35 सीटों पर जीत की उम्मीद थी। मगर एकनाथ शिंदे गुट और अजित पवार गुट के साथ मिलकर 17 सीटों पर सिमट गई। बावजूद इसके बीजेपी महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में नारों से ही संजीवनी बटोरने का काम कर रही है।

विपक्ष का मानना है कि बीजेपी के इन दो नारों ने धार्मिक ध्रुवीकरण को बल दिया है। इसमें वोट जिहाद जैसे नारे का भी इस्तेमाल हो रहा है। हालांकि, महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग ने वोट जिहाद जैसे शब्द को सांप्रदायिक शब्द माना है। लेकिन, बीजेपी के नेता चुनाव प्रचार में इस तरह के शब्द का प्रयोग कर रहे हैं। अब तो आयोग का

काम है कि ऐसे शब्द पर कैसे अंकुश लगाए। खैर, आयोग अपना कम करे। लेकिन, जिस तरह से योगी के नारे मोदी को पसंद नहीं आए उसी तरह से बीजेपी और उसकी सहयोगी पार्टी के कुछ नेताओं को भी योगी के साथ मोदी के भी नारे नागवार गुजर रहे हैं। वे इसे महाराष्ट्र की संस्कृति के खिलाफ बता रहे हैं।

बीजेपी के दिवंगत ओबीसी नेता गोपीनाथ मुंडे की विधायक बेटी पंकजा मुंडे ने तो ऐसे नारे का समर्थन करने से इनकार कर दिया है। उनका कहना है कि वह बीजेपी से जुड़ी हैं सिर्फ इसलिए इन नारों का समर्थन नहीं कर सकती। महाराष्ट्र में इस तरह का मुद्दा लाने की जरूरत नहीं है। वह विकास के मुद्दे पर काम करने के साथ-साथ हर इंसान को अपना बनाने पर जोर देती हैं। यह सच है कि महाराष्ट्र में ओबीसी नेता पंकजा मुंडे की राजनीति को धूमिल करने का प्रयास किया गया। लेकिन बीजेपी को इस विधानसभा चुनाव में ओबीसी वोट की जरूरत है इसलिए पंकजा को एमएलसी बनाया गया है।

पंकजा के साथ-साथ कांग्रेस से बीजेपी में शामिल होने वाले राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद अशोक चव्हाण ने भी योगी के 'बंटेंगे तो कटेंगे' जैसे नारों पर आपत्ति जताई। उन्हें यह नारा अप्रासंगिक लगता है। महाराष्ट्र के लोगों को भी यह पसंद नहीं आएगा। उन्हें बीजेपी के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के वोट जिहाद बनाम वोट धर्मयुद्ध वाले बयान भी पसंद नहीं हैं। वे कहते हैं कि नेताओं को ऐसे नारों से बचना चाहिए, जिससे किसी की भावना आहत होती है। बीजेपी नीत महायुति के एक घटक दल एनसीपी (अजित पवार गुट) के नेता अजित पवार ने भी योगी के इस नारे को महाराष्ट्र विरोधी बताया है। उनका कहना है कि इस तरह के नारे उत्तर प्रदेश, बिहार या झारखंड में चल सकते हैं। लेकिन, महाराष्ट्र की संस्कृति अलग है। यहां ऐसे नारों की कोई अहमियत नहीं है।

वे कहते हैं कि महाराष्ट्र साधु संतों, शिवाजी महाराज, साहू महाराज, फुले महाराज और बाबा साहेब आंबेडकर की भूमि है। ऐसे नारों पर भले ही बीजेपी और महायुति में अलग-अलग सुर सुनाई पड़ रहे हैं। लेकिन, योगी अपने धुन में राग अलाप रहे हैं। बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस मोदी और योगी के नारों का समर्थन करते हैं। उनका कहना है कि अजित पवार अलग विचारधारा के नेता हैं। इसलिए वह अपनी तरह से सोच रहे हैं। लेकिन, शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के नेता संजय राऊत ने कहा है कि योगी ऐसे नारों के सहारे अयोध्या की सीट नहीं बचा पाए। महाराष्ट्र के लोग उन्हें नकार देंगे। अब यह भी देखा जा रहा है कि बीजेपी नारों का तो सहारा ले रही है मगर इन नारों के बीच चुनाव में असली मुद्दे गायब हो रहे हैं। महाराष्ट्र में महंगाई, किसानों की समस्या, मराठा-ओबीसी आरक्षण की समस्या, बेरोजगार युवाओं की समस्या, उद्योग की समस्या, विकास की समस्या और महिलाओं की सुरक्षा की समस्या अहम है। इन समस्याओं को विपक्ष ने अपना चुनावी हथियार जरूर बनाया है।

सर्वोच्च न्यायालय का फैसला

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

बुलडोजर के खौफ पर अंकुश

सर्वोच्च न्यायालय ने अपराधियों पर सख्ती बरतने के बहाने उनके भवनों को बुलडोजर से नेस्तनाबूद कर देने की कार्यवाही पर रोक लगाने का बहुप्रतीक्षित फैसला सुनाया है। न्यायालय का निर्देश है कि बिना कानूनी प्रक्रिया का पालन किए किसी के घर, दफ्तर या दुकान पर मनमानी कार्यवाही कर बुलडोजर नहीं चलाया जा सकता है। इस तरह की कार्यवाही को अदालत ने असंवैधानिक करार देते हुए इसे अराजकता का पर्याय माना है। शीर्ष न्यायालय की दो सदस्यीय पीठ न्यायमूर्ति बीआर गवई एवं केवी विश्वनाथन ने फैसले में कहा है कि 'हमारे संविधान में इस निरंकुश और मनमानी कार्यवाही के लिए कोई स्थान नहीं है। किसी भी आरोपित, यहां तक कि दोशी की संपत्ति भी कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बगैर ध्वस्त नहीं की जा सकती है। कार्यपालिका, न्यायाधीश बनकर किसी को दंडित नहीं कर सकती। घर का होना व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। यह आश्रयस्थल किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि कई व्यक्तियों के उपयोग में आता है। अतएव इस तरह की कार्यवाही अराजकता तो है ही, साथ ही संविधान में मिले मौलिक अधिकार का उल्लंघन भी है।' कुछ सालों से देखने में आ रहा है कि बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों में शामिल लोगों के घरों को तात्कालिक असंतोष को ठंडा करने के लिए बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया जाता है।

इस सिलसिले में न्यायालय ने दिशा-निर्देश भी जारी किए है। हालांकि ये सब दिशा-निर्देश पहले से ही राज्य सरकारों की भू-राजस्व संहिता में शामिल हैं। लेकिन कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार अपने कानूनी एवं नैतिक दायित्व की अनदेखी कर सरकार की मंशा पूर्ति में लग जाते हैं। साफ है, यदि अधिकारियों को नेताओं की मंशा के अनुरूप ही काम करना है तो फिर उनके योग्य होने का क्या मतलब है ? विधायिका से कार्यपालिका को इसीलिए पृथक रखा है कि वे किसी मंत्री या नेता की इच्छा पूर्ति की बजाय कानून का सम्मान करते हुए निर्णय लें। किंतु अहम् पद पर बने रहने और कदाचरण से धन कमाने के मोह में वे अपनी योग्यता और कानूनी प्रक्रिया को खूंटी पर टांग कर अंधे होकर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही को अंजाम देने में लग जाते हैं। जबकि ये अधिकारी भी कर्मचारी आचरण संहिता की षपथ लेकर अपने पद का दायित्व ग्रहण करते हैं। ऐसे में ये दावे थोते साबित होते हैं कि प्रजातांत्रिक गणतंत्र में जनता को राजनैतिक स्वतंत्रता और विधि सम्मत मौलिक अधिकार दिलाने का काम कार्यपालिका का है। जबकि हकीकत यह है कि आपातकाल के बाद से विधायिका और कार्यपालिका का कुछ ऐसा गठजोड़ बनता चला गया कि जनमत की ताकत रखने वाली जनता, एक नए तरह की परतंत्रता की शिकार होती चली गई। भारत में यह परतंत्रता अपराधी को मुठभेड़ में मार गिराने और बुलडोजर न्याय में पिछले कुछ वर्शों से खूब देखने में आ रही है।

इसीलिए अदालत ने दिए निर्देश में कहा है कि कोई भी कार्यवाही करने से पहले 15 दिन का नोटिस और आरोपी को सुनने का मौका जरूर देना चाहिए। ये प्रावधान पहले से ही राज्यों की भू-राजस्व संहिताओं में है। इस संदर्भ में होता यह है कि तहसील अदालतें पिछली तारीख में नोटिस निकालने और उसे प्रभावित पक्षकार के घर पर चिपकाने की कार्यवाही तहसील दस्तावेजों में दिखा देते हैं। तहसील और अनुविभागीय न्यायालयों का हाल यह है कि कंप्यूटरीकरण हो जाने के बाद भी इन अदालतों में विचाराधीन मामलों का तारीखवार दस्तावेजीकरण नहीं है। इसलिए जो राजस्व अदालतें कहती हैं, उसे ही ईष्वर की वाणी मानने पर पक्षकार को मजबूर होना पड़ता है। हालांकि इस फैसले में यह स्पश्ट कर दिया है कि ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया में प्रषासन और निकायों के लगभग सभी अधिकारी षामिल होंगे। मसलन अब कोई एकाधिकारी फैसला लेकर किसी के घर को नहीं तोड़ पाएगा। इससे यह फिलहाल लग तो रहा है कि मनमाने आदेश का क्रियान्वयन नहीं होगा। वाकई ऐसा होता है तो राज्य सरकारों के मुखियाओं के निरंकुश आचरण पर अंकुश लगेगा।

लेकिन देखने में आता है कि उन मकानों को भी ध्वस्त किया गया है, जिनके पास भूखंड की रजिस्ट्री होने के साथ निकाय प्रशासन की भवन निर्माण की अनुमतियां भी हैं। भवन मालिक के पास बिजली और नल के कनेक्शन तो हैं ही वह सालों से नगर पालिका या नगर निगम में संपत्ति कर भी जमा कर रहा है। यहां तक की देखने में आया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत भी निर्मित घरों को वन भूमि पर निर्मित होना बताकर मध्यप्रदेश में तोड़ा गया है। यहां सवाल उठता है कि आखिर यह कौन तय करेगा कि भूमि वन विभाग की है या राजस्व की? इस बाबत यह भी उल्लेखनीय है कि यदि कोई मकान सरकारी भूमि पर बनाया गया है तो उस पर निर्माण के दौरान ही कार्यवाही क्यों नहीं की गई? जबकि पटवारी और निकाय कार्यालयों के पास भूमि के मूल दस्तावेज होते हैं। यदि इस फैसले में जिम्मेवार अधिकारी और कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर दंड का प्रावधान कर दिया जाए तो सरकारी भूमि पर कब्जा कर मकान बनाने का काम आरंभ ही नहीं होगा। इस सिलसिले में सच्चाई यह है कि जब सरकारी भूमि पर मकान बनता है तो जिम्मेदार कर्मचारी पैसा लेकर आंख मूंद लेते हैं। ध्वस्तीकरण के सिलसिले में यह भी विचारणीय बिंदु है कि अनेक मकान किसी एक अपराधी की संपत्ति नहीं होती है। उसके भाई-बहन और माता-पिता भी उस संपत्ति के वैध हिस्सेदार होते हैं। ऐसे में बलात्कारी जैसे अपराधी के साथ-साथ परिजन भी निर्दोष होते हुए दंड में भागीदार हो जाते है।

हालांकि अदालत ने साफ किया है कि अवैध निर्माण और अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ बुलडोजर कार्यवाही कानूनी प्रक्रिया पूरी करके की जा सकती है। यानी अनादिकृत निर्माण के मालिक को नोटिस देकर और उसे सुनकर बुलडोजर कार्यवाही का फसला राजस्व अधिकारी दे सकते हैं। वैसे भी यह जरूरी है कि जो पेशेवर अपराधी खौफ दिखाकर सरकारी और निजी जमीनों पर कब्जा कर बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर लेते हैं वे इस कार्यवाही से बचने का मार्ग न निकाल लें। ऐसे अपराधियों को जब संवैधानिक-राजनीतिक सुरक्षा कवच मिल जाता है तो अपराध की भूमिका उनके राजनीतिक और आर्थिक साम्राज्य के विस्तार का कारण बनते जाते हैं। यह सिलसिला तब और निष्ठुर एवं हिंसक हो जाता है, जब पुलिस तो पुलिस अदालत के न्यायाधीश भी ऐसे दुर्दांत अपराधी के मामले की सुनवाई से इंकार कर देते हैं। ऐसे लोगों को राजनेता एवं राजनीतिक दल न केवल संरक्षण देते हैं, बल्कि उसे विधानसभा या लोकसभा का टिकट देकर महिमामंडन भी करने का काम करते हैं। उत्तर प्रदेश के बहू व धनबलि अतीक अहमद के सिलसिले में यही सब देखने में आ चुका है। बेखौफ होकर उसने प्रयागराज में 24 फरवरी 2023 को उमेश पाल समेत दो पुलिसकर्मियों की सरेआम हत्या करा दी थी। ये हत्यारे कानून व्यवस्था से इतने निश्चित रहते हैं कि चेहरे को ढकने की बजाय खुला रखते हैं, जिससे उनका खौफ कायम हो जाए कि ये हत्यारे कौन हैं ? ऐसे व्यक्ति के बाबत जब न्याय व्यवस्था के संवैधानिक अंग पुलिस, न्यायालय और वकील कानून के राज को अंजाम तक पहुंचाने में असफल दिखे तो तीन युवकों ने एकाएक पत्रकार के भेष में अवतरित होकर अतीक और अशरफ का काम तमाम कर दिया था।

न्यायिक सिद्धांत का तकाजा तो यही है कि एक तो अपराधी को समय पर ऐसी सजा मिले, जो फरियादी को न्याय लगे ? लेकिन दुर्भाग्य से अतीक और उसके गिरोह को न तो समय पर सजा मिल पाई और न ही धन-संपत्ति कमाने की उसकी हवस पर अंकुश लग पाया। बल्कि इसके उलट वह पांच बार विधायक और एक बार सांसद बनकर अपराधी होने के बावजूद कानून के दायरे से बाहर रहा। जब ऐसे लोग निर्वाचित प्रतिनिधि बन जाते हैं तो इनकी अनैतिक महत्वाकांक्षाएं और परवान चढ़ने लगती हैं। अपनी राजनीतिक इस छवि को ये दानदाता बनकर और अधिक भुनाने में लग जाते हैं। अतएव अपनी जाति और धर्म के गरीब लोगों की धर्म के नाम पर मदद कर फरिश्ते की श्रेणी में आ जाते हैं। ऐसे ही उपकृत लोग इनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए इनकी जीत में निरंतर भागीदार बने रहते हैं। यह स्थिति न्याय व्यवस्था पर भरोसा करने की बजाय, उसे खूंटी पर टांग देने का काम करती है। अतीक के साथ यही हुआ और वह क्षेत्रीय खतरे के साथ पाकिस्तानी आतंकवादियों से हाथ मिलाकर राष्ट्रीय खतरे की जद में भी आ गया था। शायद इसीलिए सर्वोच्च न्यायालय ने 95 पृष्ठ के इस फैसले में संविधान के तीनों अंग विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की शक्तियों के पृथकीकरण के सिद्धांत और अभियुक्त के कानूनी व संवैधानिक अधिकारों की व्याख्या करते हुए नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत पर जोर दिया है।

करीने से रहने वाला आदमी

कटाक्ष

शशांक दुबे

लेखक व्यंग्यकार हैं।

घर के बाहर जूतों का स्टैंड रखा हुआ था, जिसमें सारे जूते करीने से जमे हुए थे। डोर बेल बजाते ही अंदर से वे नमूदार हुए। इस्त्री की हुई पैंट, साफ धुली हुई शर्ट, पैर में बिना फटे हुए मौजे, अचानक मुंह से निकल गया, कहीं जा रहे थे क्या?

नहीं, नहीं दरअसल मैं घर पर भी ऐसे ही रहता हूं। तैयार। ऐसा कहते हुए उन्होंने जूते के स्टैंड पर गहरी निगाह डाली। समझदार को इशारा काफी होता है। मैंने तुरंत जूते उतारे और स्टैंड पर जगह ढूंढने लगा। उन्होंने स्टैंड पर जगह बनानी शुरू कर दी। कुछ को बाईं ओर कुछ को दाईं ओर धकेला। बीच की जगह को देखते हुए मेरी ओर घूरा। मैंने तुरंत जूते उतार उन्हें स्टैंड पर टिकाया।

अंदर घुसते ही उन्होंने सोफे पर रखे कवर की सलवटें दुरुस्त कीं और मुझे बैठने का इशारा किया। सुषमा उनकी कड़क आवाज़ से मैं सहमा। तीस सेकंड में ही सुषमा एक साफ सुथरी ट्रे में दो ग्लास ले आई। ग्लास इतने साफ सुथरे थे कि यह तय कर पाना मुश्किल हो रहा था कि इसमें पानी है भी के नहीं। सौभाग्य से मेरी ओर ट्रे बढ़ाते ही ग्लास थोड़ा हिला, ग्लास के भीतर हलचल हुई और आधा बूंद पानी ग्लास के किनारे पर आ गया, जिससे पता चला कि ग्लास भरा हुआ है।

इस बीच कॉफी टेबल के नीचे वाले खाने में करीने से रखे अखबारों पर नजर चली गई। साठेक अखबार तो होंगे, लेकिन इतने व्यवस्थित तरीके से जमे हुए थे कि लगता था, ये एक ही दिन के अखबार की 60 प्रतियां हैं। जिज्ञासावश मैंने पूछा, बारह तारीख का अखबार होगा क्या? बाहर होने की वजह से उस दिन का अखबार देख नहीं पाया हूं। उन्होंने तुरंत अखबारों की गड्डी पर नजर डाले बिना मेरी ओर देखते हुए 'पच्चीस, चौबीस, तेईस' गिनते हुए बिना तारीख देखे चौदहवां अखबार थमाते हुए कहा, यह लीजिए बारह तारीख का पेपर। वाकई अखबार बारह का ही था।

तभी मेरी निगाह ड्राइंग रूम के कोने पर करीने से चिपके 'एक नंबर' के स्टीकर पर चली गई। इस नंबर का रहस्य बूझने की कोशिश कर ही रहा था कि ड्राइंग रूम से सटे दोनों कमरों के दरवाजे की ऊपरी चौखटों पर 'दो नंबर' और 'तीन नंबर' के स्टीकर भी दिखाई दिए। मैं पूछता इससे पहले ही उन्होंने सुषमा को पोछे पकड़ाते हुए कहा, इन पोछों में क्रोशिए से एक, दो, तीन नंबर लिखे हुए हैं, इनसे एक दो तीन नंबर के कमरों में पोछा लगा दो। यह व्यवस्था देख मुझे संसदीय समिति के साथ-साथ चलने वाले कारों के काफिले की याद ताजा हो आई, जिन पर एक-दो-तीन आदि नंबरों के स्टीकर लगे होते हैं।

नाश्ते में क्या लीजिएगा?

अरे इसकी क्या जरूरत है!

नहीं नहीं जी, कुछ तो लेना होगा। सुषमा ह्यह्यह्यह्य पोहे बना दो

पोहे की प्लेट के साथ एक कटोरी में प्याज रखे हुए थे। सारे प्याज एक ही साइज़ में कटे हुए। लगा जैसे कारखाने से कट कर आए हों। इससे पहले कि मैं पोहे में नीबू निचोड़ता, उन्होंने मुझसे लगभग छीनते हुए नीबू की फांक हाथ में ले ली और फिर तरबूज खाने वाले नन्हे से कांटे की मदद से नीबू की उस फांक में लगे बीजों को एक-एक कर निकालने लगे। इस चक्कर में एक बीज उछल कर नीचे टपक पड़ा। उन्होंने तुरत पोंछा निकालकर सुषमा को थमा दिया।

सख्त अनुशासन के प्रभाव में मैं यह भूल गया कि पोहा कैसा बना था, उसमें मूंगफली के दाने डले थे कि नहीं और जीरामन छिड़क पाया था कि नहीं! जैसे-तैसे पोहा खत्म कर इजाजत मांगी। बाहर जब जूते पहन रहा था, तब मेजबान जाने क्या बुदबुदाते हुए सिलवटें दूर करने में लगे हुए थे।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

जवाहर चौधरी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

अवसर का लाभ उठाना समझदारी है

हेल्थ सर्वे चल रहा है। आपको कोई बीमारी है कोई तकलीफ है? बीपी शुगर कुछ,अधिकारी से दिखने वाले व्यक्ति ने पूछा। साथ में दो-तीन लोग और भी थे।

जी सब ठीक है। बीपी शुगर वगैरह कुछ भी नहीं है।

बुखार वगैरह कब आया था?

काफी टाइम हो गया, अभी सब ठीक है..।

उल्टी दस्त कब्ज वगैरह हुआ कभी?

बहुत पहले हुआ था, पिछली बरसात में। उसके बाद सब ठीक है।

चश्मा लगाते हो पढ़ते वक्त?

नहीं, अभी तो ठीक है आंखें।

दाँत में कोई कैविटी कोचर वगैरह ?

नहीं नहीं। .... क्या बात है सरकार बड़ा ध्यान रख रही है इस बार !

पिज़्ज़ा, बर्गर, बाजार का कुछ तला-गला खाते हो?

नहीं जी, सादी दाल रोटी सब्जी खाते हैं। बस।

कोल्ड ड्रिंक वगैरह कुछ पीते हो?

कभी नहीं। पानी भी साफ पीते हैं आरो का।

सोने का क्या है, कब सोते हो?

जल्दी सोते जल्दी उठते हैं साहब। हमारी तो हमेशा की आदत है।

मॉर्निंग वॉक को जाते होंगे? आपके पास में तो गार्डन है और खुली हुई सड़क भी।

जी हाँ, मॉर्निंग वाक पर जाते हैं। हमारा पूरा परिवार जाता है।

मतलब यह कि सेहत आप लोगों की बढ़िया है।

जी हाँ सब ठीक है।

चलिए ठीक है अब आप यह समझ लीजिए कि आपको स्वस्थ रहने का टैक्स लगेगा।

स्वस्थ रहने पर टैक्स क्यों लगेगा!?

क्योंकि बीमार पर टैक्स नहीं लगाया जा सकता। उन पर तो सरकार को खर्च करना पड़ता है ना।

तो स्वस्थ रहकर क्या हमने गलती की है!?

गलती तो कमाने वाले लोग भी नहीं करते हैं, उन्हें भी टैक्स देना पड़ता है कि नहीं?

इस तरह तो लोग स्वस्थ रहने से बचेंगे!

ऐसे कैसे बचेंगे! टैक्स के मामले में सरकार की पकड़ बहुत मजबूत हैं। हलक में हाथ डालकर तीसरी आँत को भी खँगाल डालते हैं।

फिर भी बच रहे हैं लोग। देश का करोड़ों रुपया लेकर भाग जाते हैं और फिर संसार में उनका कोई पता ही नहीं चलता। असली सेहतमंद तो वे लोग हैं। उन पर टैक्स लगना चाहिए और कर्ज भी वसूलना चाहिए।

वह पुलिस और कानून के दायरे में है। देख लेना वह बच नहीं पाएँगे।

अब तक पकड़ लेना था ! हमने तो सुना है कि कानून के हाथ लंबे होते हैं।

वह पुरानी बात है, आजकल अपराधियों के हाथ और पाँव दोनों लंबे होते हैं। लंबा हाथ मारते हैं और लंबे पाँव भाग जाते हैं।

सरकार कुछ करती क्यों नहीं है इस मामले में!

इसमें कोई क्या कर सकता है। एक सिस्टम बना हुआ है जो सबके लिए है। कोई भी जागरूक नागरिक स्वहित में लंबा हाथ मार कर लंबे पाँव से भाग सकता है। मौका देखकर अवसर का लाभ उठाना समझदारी है।

इसका मतलब है कि यह काम हम भी कर सकते हैं!

आप नहीं कर सकते हैं। कंडीशन अप्लाई यानी शर्तें लागू है इसमें। आदमी पहले से धनी और पहुँच वाला होना चाहिए। विदेशों में उसके खाते और राजनीतिक संबंध होना चाहिए।... चलिए टाइम मत खराब कीजिए, अब आपका टैक्स कैलकुलेट कर लेते हैं।

हम लोग अपने प्रयासों से स्वस्थ हैं इसमें टैक्स की क्या बात है जी !

आप लोग साफ हवा पानी का उपयोग कर रहे हैं, छः सात घंटे की बाधा रहित नींद ले रहे हैं। सुबह की हवा और धूप से भरपूर ऑक्सीजन और विटामिन-डी खेंच रहे हैं। टीवी से फ़ील गुड वाली मस्त खबरें सुन रहे हैं। .... आपका टैक्स बन रहा है एक हजार रूपये सालाना प्रति व्यक्ति। कितने मेम्बर हैं घर में ?

साहब आप तो हमको बीमार लिख लो, इतना टैक्स हम नहीं दे पाएँगे।

सरकार की आँख में धूल झोंकना आसान नहीं है ... पैसा लगता है अलग से।

कितना लगेगा?

आधे में काम कर देंगे, यानी पाँच सौ रूपये पर हेड। एक बार दोगे तो पक्का बीमार लिख देंगे।

ज्यादा माँग रहे हो, रिश्वत तो टैक्स फ्री होती है।

हिस्सा देना पड़ता है ऊपर तक। सिस्टम है।

रिश्वत तो मैं नहीं दूँगा जी।

ज्यादा ईमानदार मत बनो। सेहत के लिए अच्छा नहीं है।

ठीक है, सिस्टम अगर ईमानदारी को बीमारी मानता है तो उस कॉलम में मेरा नाम लिख लो।

जयंती पर विशेष

सुसंस्कृति परिहार

लेखक स्तंभकार हैं।

इंदिरा जी की विदेश नीति का जादू सर चढ़कर बोलता रहा

कहा जाता है आयरन लेडी के नाम से विख्यात इंदिरा जी ने आपातकाल ना लगाया होता तो उनके मुकाबले शायद ही कोई नेता होता हालांकि उनके उम्दा कामों की लंबी फेहरिस्त है- प्रिविपर्स की समाप्ति, बैंकों का राष्ट्रीयकरण, सोवियत रूस से मैत्री,सफल विदेश नीति, अंतरिक्ष में राकेश शर्मा से बात,बांग्लादेश का उदय,सिक्किम को भारत भू का राज्य बनाना, कश्मीर में प्रधानमंत्री पद ख़त्म करना प्रमुख हैं।

आइए बात करें,इंदिरा जी की पुख्ता विदेश नीति। उन्होंने 19 जनवरी 1966 में प्रधान मंत्री पद की शपथ ली। तब भारत कम अंतराल के बीच चीन और पाकिस्तान से युद्ध कर चुका था देश की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर थी। इंदिरा जी को पी. एल .480 के अंतर्गत गेहूं और वित्तीय सहायता की आवश्यकता थी उन्होंने अप्रैल में आर्थिक मदद के लिए अमेरिका की सरकारी यात्रा की। अमेरिका उत्तरी वियतनाम से युद्ध में फंसा था वियतनाम गरीब मुल्क होते हुए भी अमेरिकन शक्ति का डट कर मुकाबला कर रहा था। पूरे विश्व में अमेरिका की बदनामी हो रही थी। अमेरिकन राष्ट्रपति जानसन 35 लाख टन गेहूँ और एक हजार मिलियन डालर की सहायता के बदले इंदिरा जी से अपने पक्ष में स्टेटमेंट दिलवाना चाहते थे कि अमेरिका का वियतनाम में कदम उचित है राष्ट्रपति को विश्वास था भारत सरकार मजबूर है इंदिराजी मजबूरी में उनके पक्ष में स्टेटमेंट दे देंगी । इंदिरा जी ने राष्ट्रपति जानसन की बात नहीं मानी अमेरिकन राष्ट्रपति ने भी मदद से हाथ खींच लिया। इंदिरा जी ने जुलाई 1966 में रूस की यात्रा की रूस के साथ उन्होंने अमेरिका की वियतनाम सम्बन्धी नीति की आलोचना की और स्पष्ट तौर पर ये कहा कि अमेरिका को अपनी साम्राज्यवादी नीति पर अंकुश लगा कर वियतनाम से अपनी सेनायें हटा लेनी चाहिए। इंदिरा जी का सोवियत रूस की तरफ मित्रता का हाथ बढ़ाना कूटनीतिक निर्णय था। रूस भी भारत जैसे विशाल देश से मित्रता में वृद्धि कर खुश हुआ था।

इंदिराजी ने नेहरु जी के समय से चलने वाली तटस्थता की नीति को अपनाया दोनों सुपर पावर की अंतर्राष्ट्रीय राजनीति से अपने आप को अलग रखा तथा पंचशील के सिद्धांत को मान्यता दी नेहरु जी को 1962 में चीन के साथ युद्ध के समय अमेरिकन ब्लॉग से मदद लेनी पड़ी थी राष्ट्रपति केनेडी उनके अच्छे मित्र थे लेकिन इंदिरा जी को बंगलादेश के निर्माण के लिए सोवियत यूनियन की तरफ झुकना पड़ा । पाकिस्तान में होने वाले चुनाव में मुजीब-उर-रहमान की आवामी लीग को बहुमत मिला लेकिन भुट्टो किसी भी तरह सत्ता को हाथ से जाने नहीं दे रहे थे जिन्हें प्रधान मंत्री के पद पर आसीन होना था उन्हें जेल में डाल दिया गया, यहीं से पाकिस्तान के विभाजन की नींव पड़ गई। मुजीब-उर-रहमान ने हर नागरिक को बंगलादेश के निर्माण में सहयोग देने का आह्वान किया।

1971 में पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरनल याहिया खान थे उन्होंने पूर्वी पाकिस्तान के हालात सुधारने की जिम्मेदारी जरनल टिक्का खान को सौंपी। 26 मार्च से पूर्वी पाकिस्तान में खूनी संघर्ष हुआ स्त्रियों तक को नहीं बख्शा गया अपने ही मुस्लिम भाईयों बहनों पर ऐसा जुल्म हुआ जिसके आगे मानवता भी शरमा जाये। जीवन की रक्षा के लिए भारत में शरणार्थी आने लगे जिनकी हर सुविधा का ध्यान रख कर उनके लिए टेंट लगवाये गये एक करोड़ के लगभग लोगों ने शरण ली जिससे भारत की इकोनोमी प्रभावित होने लगी। इंदिरा जी ने कुशल कूटनीतिज्ञ की भाँति विश्व का ध्यान भारत की और खींचने के लिए राष्ट्राध्यक्षों के सामने रिफ्यूजियों की समस्या को रखा। पूर्वी पाकिस्तान में मुक्ति वाहिनी सेना का गठन किया गया जिसके सदस्य आधिकतर बंगलादेश का बौद्धिक वर्ग और छात्र थे जिन्होंने भारतीय सेना की मदद से अपनी भूमि पर पाकिस्तानी सेना से संघर्ष किया अंत में पाकिस्तानी सेना का मनोबल इतना गिर गया कि जनरल नियाजी ने भारतीय सेना के समक्ष आत्म समर्पण कर दिया। पाकिस्तान के मनोबल को बनाये रखने के लिए अमेरिका ने सीधे हस्तक्षेप नहीं किया लेकिन राष्ट्रपति निक्सन (इंदिरा जी को व्यक्तिगत रूप से पसंद नहीं करते थे) द्वारा सातवाँ जंगी बेड़ा बंगाल की खाड़ी में खड़ा कर दिया गया जिसका रुख भारत की तरफ था इंदिरा जी विचलित नहीं हुई वह सोवियत रूस से पहले ही संधि कर चुकी थी, जानती थी अमेरिका पूर्वी पाकिस्तान की समस्या में पाकिस्तान का पक्ष ले कर बड़े युद्ध का कारण नहीं बनेगा वह,वियतनाम में अपनी किरकिरी को अभी नहीं भुला था। 93 हजार युद्ध बंदी ,जिन्हें अलग कैम्पों में रखा गया उन्हें बंगला देशियों के कोप से भी बचाना था। भुट्टो 20 दिसम्बर को पाकिस्तान के राष्ट्रपति बने सत्ता सम्भालते ही उन्होंने देश को वचन दिया वह बंगलादेश को फिर से पाकिस्तान में मिला लेंगे, उन्होंने पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों को पराजय का जिम्मेदार बना कर पद से हटा दिया।कई महीने बाद राजनीतिक स्तर के प्रयत्नों के परिणाम स्वरूप जून माह 1972 में शिमला में बातचीत शुरू हुई । इस वार्ता में भाग लेने भुट्टो भारत आये उनके साथ उनकी बेटी बेनजीर भुट्टो भी आई थीं वह काफी चर्चा में रहीं उन्होंने इंदिरा जी से बुआ जी का रिश्ता गांठा ।

इन दिनों अनेक विषयों पर चर्चा हुई जिसमें बंगला देश को मान्यता देना भी था पाकिस्तान के इतनी बड़ी संख्या में युद्ध बंदी होने से भी पाकिस्तान का मनोबल टूट गया था इस समझौते में भारत को बहुत लाभ नहीं हुआ हमारे पास पाकिस्तान का काफी भाग था हमें पीछे लौटना पड़ा । हाँ समझौते के आखिरी चरण में राष्ट्रपति भुट्टो से एक बात सख्ती से इंदिरा जी ने मनवाई जिसके लिए वह मजबूरी में तैयार हुए।' शिमला समझौते के अंतर्गत दोनों देश अपने विवादों का हल आपसी बातचीत से करेंगे कश्मीर समस्या का अंतर्राष्ट्रीयकरण न कर बातचीत से हल निकाला जाएगा'।

कुछ इस समझौते की आलोचना करते हुए कहते हैं हमें जीते प्रदेश लौटाने पड़े आज के युग में हम किसी देश के प्रदेश पर कब्जा नहीं कर सकते पंच शील का सिद्धांत भी यही कहता हैं भुट्टो बात बात पर दावा करते थे घास की रोटी खायेंगे पर कश्मीर ले कर रहेंगे उनको इंदिरा जी के सामने विनम्र रह कर समझौता करना पड़ा। भारत के आखिरी गवर्नर जनरल माउन्टबेटन ने कहा था बंटा हुआ पकिस्तान एक दूसरे से 1600 किलो मीटर दूरी पर है एक दिन अलग हो कर आजाद मुल्क बन जायेंगा उनकी भविष्य वाणी पूरी हुई,अब भारत को युद्ध के समय पश्चिमी पाकिस्तान और चीन की सीमा पर ही ध्यान देना है । इंदिरा जी ने पूरी सतर्कता के साथ भारत की विदेशी नीति को नई दिशा दी उन्होंने भारत और सोवियत संघ के साथ मित्रता और आपसी सहयोग संधि पर हस्ताक्षर किये जिससे भारत को बंगला देश के निर्माण में बहुत सहारा मिला पाकिस्तान समझ गया युद्ध से वह भारत को नहीं दबा पायगा। इंदिरा जी गुट निरपेक्ष देशों को और पास लायी उनसे अपने सम्बन्ध बढाये जिससे संकट के समय सब एक दूसरे का सहारा बन सकें महाशक्तियों की तरफ न देखें।

दिल्ली में सातवें गुट निरपेक्ष देशों के सम्मेलन में युगोस्लोवाकिया के मार्शल टीटो, मिश्र के नासिर ने भी भाग लिया। विश्व में इंदिरा जी की शोहरत बढ़ी लेकिन अपने देश में उनकी मुश्किलें कम नहीं थी उन्हें अनेक उतार चढ़ावों से होकर गुजरना पड़ा। इंदिरा जी पर अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों का परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर करने का बहुत दबाब था प्रलोभन भी दिए गये। उन्होंने दबाब को न मानते हुए 1974 में पोखरन में परमाणु विस्फोट कर विश्व को चकित कर बता दिया देश किसी भी तरह कमजोर नहीं हैं भारत ने परमाणु से लेस ताकतों में अपना स्थान दर्ज कराया। चीन स्वयं परमाणु शक्ति सम्पन्न था उसने भी भारत का विरोध किया भारत पर प्रतिबन्ध लगाये जाएं लेकिन जापान के अलावा किसी ने इसे नहीं माना। यह एक बड़ी जीत थी।

आज देश की विदेशों में ख़स्ता हालत देखकर इंदिरा जी जैसी दृढ़ निश्चयी दृष्टि और सफल विदेश नीति बार-बार याद आती है। अगर वर्तमान सरकार विदेश नीति को मज़बूत करने इंदिरा जी के राह पर चलने की कोशिश करती है तो वह उनकी जयंती पर सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

साहित्य आज तक

ध्रुव शुक्ल

लेखक साहित्यकार हैं।

लाइव टेलीकास्ट देखने को अभिशप्त कविता के श्रोता

कवि गजानन माधव मुक्तिबोध को अपने आपसे किसी गहरे फ़लसफ़े की उम्मीद थी, जिसमें वे खोयी हुई आत्मसम्भवा अभिव्यक्ति को अपनी कविता में पा सकें। वे सिर्फ़ अपने से ही नहीं, आज तक के सब कवियों से कह रहे हैं...

हमें चाहिए था दिन-रात
अनुभव-दीप्त मानव ब्रह्म की संवेदना का
भव्य अनुशासन
कि उससे एक गहरा फ़लसफ़ा तैयार हो जाये
कि पूरा सत्य जीवन के विविध उलझे प्रसंगों में
सहज ही दौड़ता आये...
स्मरण में आये
मार्मिक चोट के गंभीर दोहे-सा
कि भीतर से सहारा दे, बना दे प्राण लोहे-सा।

संसार होने और न होने की जगह जैसा है जिसमें सब कवि अपने-अपने होने में बीत रहे हैं। पर सब अपनी होनी को नहीं कह पाते और बीत जाते हैं। जिन्हें संयोगवश प्रकृति सिद्ध कवि होने का निमित्त बना लेती है वे ही अपने-कवित-विवेक से अपनी होनी को इस तरह कह पाते हैं कि उनकी कविता में सबकी होनी दीखती है। सब कवियों का काव्य-विवेक समान नहीं होता इसी कारण भांति-भांति की कविताएं रची जाती हैं। कुछ स्मृति में दीर्घकाल तक रह जाती हैं, कुछ भूली-बिसरी यादों जैसी कभी-कभी याद आती हैं।

कविता रचने की शुरुआत अनन्त में हेरने से हुई होगी जब जिज्ञासु कवि इस उलझन में फंसे थे कि सृष्टि का कर्ता कौन है या यह यूँ ही हो गयी है। वे कवि परेशान थे कि वे जो रच रहे हैं वह किसे संबोधित है। कोई उनकी कविता सुनता भी है कि नहीं। उन्होंने इसी उधेड़बुन में एक ऐसा कल्पित श्रोता रच लिया जो निराकार होकर भी उनकी कविता सुनता है और कविता अज्ञात की प्रार्थना बन गयी। वह अब भी इस अनसुनी और अनदेखी से भरे जीवनासक्त संसार में अज्ञात को भजती रहती है।

वे पहले हो गये कवि अपने हृदय के हवन कुण्ड में शब्दों की आहुति देकर अपनी स्मृतियों की घनी धुंध में कविता को बसाते रहे। इसी धुंध को पार करके वे उन काव्य-प्रकाशों तक भी जा पहुँचे जो जीवन के होने को अनेक रूपों में प्रकाशित कर रहे थे। आदिकाल से जीवन के इतने रूपों की होनी को कहने के लिए कवि होते चले आ रहे हैं। आगे भी कवि होते रहेंगे। उनका होना कभी नहीं रुकेगा।

जैसे खगकुल को नहीं गिना जा सकता उसी तरह कविकुल भी अनगिनत हैं। पर जैसे स्वाती-बूंद के लिए चातक की पुकार खगकुल के बीच सबसे अलग सुनायी पड़ती है वैसे ही अपने हृदय की सीपी में काव्यमुक्तारूप को पकाने वाले कवि भी अलग पहचान लिए जाते हैं। ऐसे कवि ही कविता की राहों के अन्वेषी होते हैं। वे अपने होने के अकेलेपन के विस्तार में उस सर्वनाम की प्रतीति में डूबे रहते हैं जो सबकी होनी में बसा हुआ है।

कवियों की सबसे बड़ी मुश्किल यही है कि उनसे किसी ने भी कविता रचने को नहीं कहा है। संसार के कई कवियों ने अपने समय में लिखने के कारण को खोजने की बहुत कोशिश की है। इस विषय पर निबंध भी लिखे हैं कि आखिर मैं क्यों लिखता हूं। आज तक कोई कवि यह न जान सका कि वह लिखता क्यों है। कवि गजानन माधव मुक्तिबोध की कविताओं में चकमक की चिंगारियों जैसी बेचैनी चिलकती है जहाँ अधूरी और सतही ज़िन्दगी के गर्म रस्तों पर भौंचक सनसनी के बीच मुक्तिबोध किसी झनझनाती आग का सामना कर रहे हैं... कोई चीखती कविता लिखना चाहते हैं। उनकी कविताएं हमारी भूल-ग़लतियों की ओर आज भी इशारा कर रही हैं

साहित्य आज तक ऐसी ही बेचैनियों और झनझनाती आग के बीच समृद्ध होता रहा है। कवि होने का दावा अपनी ही आत्मा की अदालत में किया जा सकता है। समर्थ कवि खुद ही जानते हैं कि वे कवि हैं। उनके लिए अपने हृदय के अलावा किसी बाहरी अदालत में कोई गवाह नहीं चाहिए। उन्हें किसी वकील और मैनेजमेंट गुरू की ज़रूरत भी नहीं। यह देखकर मन खिन्न होता है कि साहित्यकारों की बिरादरी में वकालत का धंधा चल निकला है। झूठे गवाह और बिचौलिए तय कर रहे हैं कि कौन कवि कहलायेगा और कौन नहीं। साहित्य के पाठक और कविता के श्रोता केवल वह लाइव टेलीकास्ट देखने को अभिशप्त हैं जहाँ कोई काव्य-न्याय नहीं हो रहा।

विश्व नीति

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

विदेश नीति के विशेषज्ञ

डोनाल्ड ट्रम्प का पुनरुत्थान: चुनौतियां और समाधान

दुनिया के सबसे प्रभावशाली देश अमेरिका का राष्ट्रपति चुनाव का परिणाम आ चुका है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर जीत हासिल की है। इसके बाद होने वाले प्रभाव को समझने के लिए इस पर गहराई से विचार करना आवश्यक है, क्योंकि उनकी नीतियां अमेरिका और वैश्विक परिदृश्य दोनों पर गंभीर असर डाल सकती हैं। ट्रम्प की पहली कार्यकाल में कड़े फैसले, विदेश नीति में आक्रामक रुख, और 'अमेरिका फर्स्ट' के सिद्धांत ने अमेरिकी राजनीति और वैश्विक संबंधों को नया रूप दिया था।

डोनाल्ड ट्रम्प, जो अमेरिका के 45वें राष्ट्रपति थे, 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में फिर से रिपब्लिकन पार्टी के शीर्ष उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल किए हैं। ट्रम्प का राजनीतिक करियर हमेशा से विवादास्पद और आकर्षक रहा है। उनके कार्यकाल में नीतिगत बदलाव, सामाजिक मुद्दों पर उनके विचार, और आप्रवासन, व्यापार, और वैश्विक संबंधों पर उनका सख्त रुख अमेरिकी राजनीति में अस्थिरता का कारण बना।

ट्रम्प का दावा है कि वे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को फिर से मजबूत करेंगे और वैश्विक स्तर पर अमेरिका की स्थिति को पुनः स्थापित करेंगे। उनके समर्थकों के अनुसार, ट्रम्प अमेरिका को एक मजबूत और आत्मनिर्भर राष्ट्र बना सकते हैं, जबकि उनके विरोधियों का मानना है कि उनके दोबारा सत्ता में आने से सामाजिक, राजनीतिक, और पर्यावरणीय अस्थिरता बढ़ेगी।

डोनाल्ड ट्रम्प ने 2016 में अमेरिकी राष्ट्पति चुनाव में विजय प्राप्त की थी, जिसके बाद उन्होंने अपनी नीतियों के माध्यम से एक अलग तरह की शासन-शैली प्रस्तुत की। उनकी प्रमुख नीतियों में शामिल थीं- अमेरिका फर्स्ट : ट्रम्प ने इस नीति के तहत अमेरिकी उद्योगों और नौकरियों को बढ़ावा देने के लिए व्यापारिक नीतियों में बदलाव किए। उनके नेतृत्व में अमेरिका ने चीन के खिलाफ कड़े आर्थिक कदम उठाए, जिसके परिणामस्वरूप चीन-अमेरिका व्यापार युद्ध शुरू हुआ।

आप्रवासन पर सख्त रुख- ट्रम्प ने आप्रवासन पर सख्त रुख अपनाते हुए मेक्सिको सीमा पर दीवार बनाने का प्रस्ताव रखा और कई मुस्लिम-बहुल देशों के नागरिकों के लिए यात्रा प्रतिबंध लागू किए।

अंतरराष्ट्रीय समझौतों से बाहर निकलना-ट्रम्प ने अमेरिका को पेरिस जलवायु समझौते और ईरान परमाणु समझौते से हटा लिया। उनका तर्क था कि ये समझौते अमेरिका के लिए हितकारी नहीं हैं।

करों में कटौती- 2017 में ट्रम्प प्रशासन ने करों में कटौती की, जो अमेरिकी कॉर्पोरेट्स और ऊँची आय वाले अमेरिकियों के लिए लाभकारी सिद्ध हुई, हालांकि मध्यम और निम्न वर्ग को उतना लाभ नहीं मिला। इन नीतियों ने अमेरिकी समाज और वैश्विक संबंधों पर एक नई छाप छोड़ी। हालांकि, उनके कई फैसलों की आलोचना भी हुई, विशेष रूप से 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान उनकी नीतियों की, जिसके कारण उनका पुनः चुनाव हारने का एक मुख्य कारण भी बना।

ट्रम्प के जाने के बाद, जो बाइडन प्रशासन ने कई नीतिगत बदलावों को लागू करने का प्रयास किया है। उन्होंने पेरिस जलवायु समझौते में अमेरिका की वापसी कराई, जिससे जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक प्रयासों को बल मिला। इसके अलावा, बाइडन ने कई नीतिगत सुधारों की शुरुआत की, जैसे कि सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, और आप्रवासन में सुधार।

हालांकि, बाइडन प्रशासन को अमेरिकी नागरिकों में आर्थिक मुद्दों को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा है। उच्च मुद्रास्फीति, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएँ, और कोविड-19 के बाद के आर्थिक संकट ने कई अमेरिकियों को बाइडन की नीतियों से असंतुष्ट कर दिया है। इस असंतोष के कारण ही ट्रम्प की लोकप्रियता फिर से बड़ी और उन्होंने सत्ता में वापसी किया है।

पक्ष

आर्थिक सुधार और आत्मनिर्भरता- ट्रम्प का 'अमेरिका फर्स्ट' दृष्टिकोण, विशेष रूप से चीन के प्रति सख्त नीति, घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने और अमेरिकी नौकरियों को सुरक्षित रखने में सहायक हो सकता है। उनकी कर कटौती और नियमों में ढील की नीति से अमेरिकी व्यापार को भी लाभ हो सकता है।

राष्ट्र की सुरक्षा पर बल- ट्रम्प की आप्रवासन नीति और मजबूत रक्षा नीति से अमेरिका के सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने की संभावना बढ़ जाती है। इसके जरिए आतंकवाद और अवैध आप्रवासन पर अंकुश लगाया जा सकता है।

आंतरिक उत्पादन में वृद्धि- ट्रम्प का जोर बाहरी आयात पर निर्भरता कम कर देश में उत्पादन बढ़ाने पर है। यह अमेरिका को आत्मनिर्भर बनने में सहायक हो सकता है और वैश्विक व्यापारिक संबंधों में भी संतुलन ला सकता है।

रिपब्लिकन एजेंडा का पुनर्स्थापन- ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने से रिपब्लिकन पार्टी का एजेंडा अधिक मजबूती के साथ लागू किया जा सकेगा। इससे न्यायपालिका, स्वास्थ्य सेवा, और शिक्षा में भी कई बदलाव आने की संभावना है, जो रूढ़िवादी दृष्टिकोण के पक्ष में होंगे।

विपक्ष

वैश्विक अस्थिरता- ट्रम्प की आक्रामक कूटनीतिक शैली और कई अंतरराष्ट्रीय समझौतों से बाहर निकलने की नीति के कारण अमेरिका के अन्य देशों के साथ संबंधों में तनाव उत्पन्न हो सकता है। इससे वैश्विक अस्थिरता बढ़ सकती है और सहयोगी देशों के साथ विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव- ट्रम्प का पर्यावरण के प्रति दृष्टिकोण चिंताजनक हो सकता है। उनके पिछले कार्यकाल में उन्होंने पेरिस जलवायु समझौते से अमेरिका को बाहर निकालने का फैसला लिया था और जीवाश्म ईंधनों को बढ़ावा दिया था। इससे वैश्विक जलवायु परिवर्तन की दिशा में किए गए प्रयास कमजोर पड़ सकते हैं।

सामाजिक ध्रुवीकरण- ट्रम्प के पहले कार्यकाल में देखा गया था कि उनके नेतृत्व में अमेरिका में सामाजिक ध्रुवीकरण बढ़ गया था। उनके नेतृत्व में नस्लीय तनाव और राजनीतिक ध्रुवीकरण भी बढ़ सकता है, जिससे देश में सामाजिक एकता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

अप्रवासन नीति का प्रभाव- ट्रम्प की सख्त अप्रवासन नीति से प्रवासी समुदाय के लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। उनके कार्यकाल के दौरान कई परिवारों का अलगाव हुआ और प्रवासियों के लिए चुनौतियाँ बढ़ीं। ट्रम्प दोबारा राष्ट्रपति बनने से इस नीति के कठोर होने की संभावना है।

आगे की राह

ट्रम्प का पुनः राष्ट्रपति बनना अमेरिका और दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है। निम्नलिखित सुझाव के माध्यम से इस मुद्दे का समाधान किया जा सकता है

सहयोगियों के साथ बेहतर संवाद- अमेरिका को अपने पारंपरिक सहयोगियों के साथ संवाद को बेहतर बनाने की आवश्यकता है। नाटो, यूरोपीय संघ, और एशिया के साझेदार देशों के साथ स्थिर संबंध बनाए रखना अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को मजबूत करने में सहायक होगा। इसके लिए कूटनीतिक सहयोग को बढ़ावा देना और आपसी हितों को साधना महत्वपूर्ण है।

स्थायी विकास की दिशा में कदम उठाना- ट्रम्प को पर्यावरणीय नीतियों पर ध्यान देना होगा और जलवायु परिवर्तन पर गंभीरता से कदम उठाने की आवश्यकता है। ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद पेरिस समझौते और अन्य पर्यावरणीय समझौतों पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है ताकि अमेरिका वैश्विक जलवायु प्रयासों का नेतृत्व कर सके।

सामाजिक एकता को बढ़ावा देना- ट्रम्प को अपने नेतृत्व में एक समग्र दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है जो सभी नागरिकों की भावना को सम्मान दे। देश में ध्रुवीकरण को कम करने के लिए सामाजिक एकता बढ़ाने वाले कदम उठाने की आवश्यकता है। सामाजिक विविधता और एकता को प्रोत्साहित करने से राजनीतिक स्थिरता में सुधार होगा।

आर्थिक संतुलन और वैश्विक व्यापार- अमेरिका को अपने घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देते हुए वैश्विक व्यापार में अपनी स्थिति को भी संतुलित रखना चाहिए। चीन के साथ व्यापारिक संबंधों को पुनः संतुलित करने की कोशिश की जा सकती है ताकि घरेलू उद्योगों को भी समर्थन मिल सके और व्यापारिक विवादों में कमी आए।

वैश्विक नेतृत्व में भूमिका बनाए रखना- ट्रम्प फिर से राष्ट्रपति बनने के बाद यह आवश्यक होगा कि वे अमेरिका की वैश्विक नेतृत्व क्षमता को बनाए रखें। दुनिया में ऐसे कई मुद्दे हैं–जैसे कि जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, और परमाणु शस्त्र नियंत्रण–जिनमें अमेरिका का नेतृत्व आवश्यक है। ट्रम्प को बहुपक्षीय मंचों जैसे संयुक्त राष्ट्र, नाटो और जी7 में प्रभावी भूमिका निभाने के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना होगा ताकि अमेरिका को एक मजबूत और जिम्मेदार नेतृत्व के रूप में देखा जा सके।

मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग पर ध्यान देना- ट्रम्प की कर कटौती नीति का लाभ मुख्यतः ऊँची आय वाले अमेरिकियों और कॉर्पोरेट्स को मिला, लेकिन उनके पुनः कार्यकाल में ध्यान देने की आवश्यकता होगी कि यह लाभ सभी वर्गों तक पहुँचे। मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग को कर में राहत और रोजगार के अवसर प्रदान करने से उनकी जीवन स्थितियों में सुधार होगा और आर्थिक असमानता में कमी आएगी।

प्रगतिशील तकनीकी नवाचार- ट्रम्प का नेतृत्व अमेरिका के तकनीकी नवाचार और प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण हो सकता है। वे घरेलू टेक्नोलॉजी सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए नीतियां बना सकते हैं, जो वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हों। इसमें उन्नत टेक्नोलॉजी, स्वच्छ ऊर्जा, और स्वास्थ्य संबंधी नवाचार को प्रोत्साहित करना शामिल है।

मध्य-पूर्व और एशिया में संतुलित कूटनीति- अमेरिका की मध्य-पूर्व और एशिया में एक महत्वपूर्ण भूमिका है। ट्रम्प के कार्यकाल में इजरायल और अरब देशों के बीच समझौतों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए थे। ट्रम्प कोइन समझौतों को मजबूती देने के साथ-साथ चीन और रूस के प्रभाव को संतुलित करने की आवश्यकता होगी ताकि अमेरिका अपने सहयोगियों के साथ स्थिर संबंध बनाए रख सके।

अमेरिकी लोकतंत्र की रक्षा- ट्रम्प का पहला कार्यकाल अमेरिका में लोकतांत्रिक परंपराओं के लिए चुनौतीपूर्ण रहा था, विशेषकर चुनाव प्रक्रिया और सत्ता हस्तांतरण के संदर्भ में। अगर वे पुनः राष्ट्रपति बनते हैं, तो उन पर दबाव होगा कि वे लोकतांत्रिक संस्थाओं का सम्मान करें और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखें। इससे अमेरिकी लोकतंत्र की साख बढ़ेगी और राजनीतिक प्रणाली में स्थिरता आएगी। डोनाल्ड ट्रम्प का पुनः राष्ट्रपति बनने से न केवल अमेरिका, बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रभावी साबित हो सकता है। उनके नेतृत्व में अमेरिकी नीतियों में कठोरता और आक्रामकता देखने को मिल सकती है, जो घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई चुनौतियाँ और अवसर पैदा कर सकती हैं। एक ओर, ट्रम्प का आर्थिक और सुरक्षा आधारित दृष्टिकोण अमेरिका को आत्मनिर्भर और सशक्त बना सकता है, लेकिन दूसरी ओर, उनके आक्रामक विदेश नीति के रुख से अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अस्थिरता बढ़ सकती है। पर्यावरण, समाज में एकता, और वैश्विक सहयोग को ध्यान में रखते हुए ट्रम्प को एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना होगा ताकि अमेरिका के नागरिकों की सुरक्षा और समृद्धि सुनिश्चित की जा सके और दुनिया में अमेरिका की एक सशक्त और जिम्मेदार छवि बनी रहे।

प्रभारी मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल का दौरा कार्यक्रम

बैतूल। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग राज्य मंत्री तथा बैतूल जिले के प्रभारी मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल दो दिवसीय बैतूल प्रवास पर रहेंगे। जानकारी के अनुसार 19 नवंबर 2024 को दोपहर 2:00 बजे भोपाल से बैतूल की ओर प्रस्थान कर सांय 5.30 बैतूल के सर्किट हाउस पहुंचेंगे। दूसरे दिन 20 नवंबर को अधिकारी, जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक एवं स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होगे। तत्पश्चात प्रभारी मंत्री श्री पटेल सायं 5 बजे बैतूल से भोपाल की ओर प्रस्थान करेंगे।

सड़क हादसे में किसान की मौत, पत्नि-बेटा घायल

बैतूल। सडक़ हादसे में एक किसान की मौत हो गई, वहीं पत्नि और बेटा गंभीर रूप से घायल है, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा रविवार बैतूल-नागपुर नेशनल हाईवे पर ससुंद्रा जोड़ के पास हुआ। जानकारी के अनुसार साईखेड़ा निवासी किसान प्रभुदयाल साहू (37) अपनी पत्नी उमा (30) और 9 साल के बेटे प्रीत के साथ बाइक से रिश्तेदार के घर जा रहे थे, तभी ससुंदरा जोड़ पर फॉर्च्यूनर कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान प्रभुदयाल की मौत हो गई। हादसे के बाद फॉर्च्यूनर कार में सवार उज्जैन निवासी परिवार ने तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाया और अपनी कार पुलिस के सुपुर्द कर दी। इधर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। फॉर्च्यूनर कार को जब्त कर लिया गया है और मृतक का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया।

अनियंत्रित होकर घाट में पलटा गेहूं से भरा ट्रक

बैतूल। गेहूं से भरा ट्रक भीमपुर के पास लेडदा घाट में अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में चालक-परिचालक बाल-बाल बच गये। ट्रक पलटने से गेहूं के बोरे इधर-उधर बिखर गए और गेहूं फैल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रक क्रमांक एमपी 09, एचएच 6912 नरसिंहपुर से बुरहानपुर जा रहा था, तभी ट्रक अनियंत्रित होकर लेडदा घाट में पलट गया। चालक ने बताया कि घाट में ट्रक अनियंत्रित हो गया था। घटना में कंडक्टर और ड्राइवर सुरक्षित हैं। गौरतलब रहे कि लेडदा घाट पर हादसों की वजह से कईयों की मौत भी हो चुकी हैं। बाजवूद इसके लेडदा घाट की कटिंग नहीं की जा रही है। वाहनों सहित व्यापारियों एवं मोटर मालिकों ने घाट की कटिंग करने प्रशासन से मांग की है, ताकि दुर्घटनाओं को टाला जा सके और जान-माल की हानि न हो।

टोल फ्री नं. पर दर्ज कराएं ट्रांसफार्मर असफल होने की शिकायत

बैतूल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है की मानसून सीजन के दौरान आंधी, बारिश एवं अन्य व्यवधान के कारण वितरण ट्रांसफार्मर असफल होने की शिकायतें 1912 पर दर्ज करा सकते हैं। उपभोक्ताओं के पास विद्युत ट्रांसफार्मर व्यवधान संबंधी शिकायतों को दर्ज कराने के लिए कॉल सेन्टर के टोल फ्री नंबर 1912 एवं मोबाइल एप उपाय का विकल्प मौजूद हैं। उपभोक्ता इन विकल्पों में से किसी भी एक विकल्प का उपयोग कर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्थापित वितरण ट्रांसफार्मर के असफल होने संबंधी शिकायतें या सूचना दर्ज करा सकते हैं। कंपनी ने कहा है कि उपभोक्ता शिकायत दर्ज कराने के लिए अपने मोबाइल में प्ले स्टोर के माध्यम से उपाय एप को डाउनलोड कर एवं उसके उपयोग से भी अपनी शिकायत आसानी से दर्ज करा सकते हैं अथवा 1912 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराने की सुविधा उपलब्ध है।

किसान ने खाया जहर, इलाज के दौरान मौत

बैतूल। एक किसान ने जहर खा लिया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार चोपना थाना इलाके के झोली गांव में रहने वाले सुभाष मिस्त्री (50) ने रविवार खेत में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। परिजनों को सुभाष खेत में बेसुध पड़ा हुआ मिला। जिसे पाढर अस्पताल ले गए, जहां उसे भर्ती कराया गया। सोमवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पाढर पुलिस के अनुसार सुभाष खेती और मजदूरी का काम करता था, उसकी कुछ समय से मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। रविवार को उसने खेत में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया, परिजनों उसे इलाज के लिए पाढर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

19 से 25 नवम्बर तक मनाया जाएगा कौमी एकता सप्ताह

बैतूल। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 19 से 25 नवम्बर तक कौमी एकता सप्ताह मनाया जाएगा। इस दौरान शांति, एकता, सद्भाव और राष्ट्रीय अखण्डता के संदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। सप्ताह के अंतिम दिन 25 नवम्बर को झण्डा दिवस के रूप में मनाया जायेगा। कौमी एकता सप्ताह मनाने संबंधी राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सद्भाव प्रतिष्ठान नई दिल्ली द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। संस्थान द्वारा कौमी एकता सप्ताह के दौरान साम्प्रदायिक, जातीय, आतंकवादी घटनाओं में जो बच्चे अनाथ हुए हैं, उनके कल्याण के लिये स्वैच्छिक आधार पर वित्तीय सहायता प्राप्त की जाती है। संस्थान द्वारा विभिन्न शासकीय विभागों को झण्डे, पोस्टर्स, पेम्फलेट्स आदि भिजवा कर अधिक से अधिक वित्तीय सहायता का अनुरोध किया गया है।

अज्ञात कारणों से दो मकानों में लगी आग, सामान जला

बैतूल। अज्ञात कारणों से दो मकानों में आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हालांकि आग लगते ही ग्रामीणों ने बाल्टी से पानी लाकर डालना शुरू कर दिया था, लेकिन ग्रामीणों का यह प्रयास आग को पूरी तरह काबू नहीं कर पाया। आगजनी की इस घटना में पीड़ितों को करीब 2 लाख के नुकसान की बात कहीं जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुलताई के मंगोना कला गांव में सोमवार दोपहर दो घर में आग लग गई। आग ने धीरे-धीरे विकराल रूप लेना शुरू कर दिया। जैसे ही मकानों से धुंआ उठने लगा, ग्रामीणों ने बाल्टी से पानी लाकर आग बुझाने का प्रयास किया। इधर सूचना मिलते ही दमकल टीम भी मौके पर पहुंची। मोहित गावड़े ने बताया कि सुखदेव साहू और सहदेव साहू के घर में आग लगी है। आग लगते ही गांव वालो ने आग बुझाने का प्रयास किया, साथ ही फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी, लेकिन जब तक फायर ब्रिगेड पहुंची तब तक आग और फैल चुकी थी। सहदेव साहू ने बताया कि आगजनी में घर की कच्ची छत और सामान जल गया है। आग किस कारण से लगी उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। आग लगते ही घर के लोग बाहर भाग गए।

नवम्बर अंत या दिसम्बर के पहले सप्ताह तक शत-प्रतिशत बोवनी पूरी होने की संभावना

जिले में 67 फीसदी रबी फसल की बुआई का कार्य पूर्ण

संजय द्विवेदी, बैतूल। जिले में रबी फसल की बोवनी शुरू हो गई है। अभी तक 67 फीसदी बुआई कार्य पूर्ण हो चुका है। अनुमान है कि नवंबर माह के अंत तक या दिसंबर के पहले सप्ताह तक जिले में लक्ष्य के बराबर बुआई कार्य पूर्ण हो जायेगा। इस वर्ष कृषि विभाग ने रबी फसल के लिए जो रकबा तय किया है, उसमें सभी प्रकार की फसलों का रकबा बढ़ाया है। पिछ्ले वर्ष 2023-24 में रबी फसल का कुल रकबा 3,86,353 हेक्टेयर तय किया था, जो इस साल 2,397 हेक्टेयर बढ़ाकर 3,88,750 हेक्टेयर निर्धारित किया है। जिसमें गेहूं के लिए 2,96,000 हेक्टेयर, चना चना 55,000, मसूर 0.200 हेक्टेयर, मटर 1500, सरसो 14000, अलसी 0.050 हेक्टेयर और गन्ना 22,000 हेक्टेयर रकबा सुनिश्चित है। कृषि विभाग के अधिकारियों की माने तो इस साल बुआई कार्य में देरी का कारण अक्टूबर में हुई बारिश है। अक्टूबर में बारिश होने से खेत गीले हो गये थे। जमीन गीली होने से किसान खेत नहीं बना पाये। अब धूप खिलने और जमीन सूखने के बाद किसानों ने खेत बनाने और बुआई कार्य प्रारंभ किया है। वैसे कृषि विभाग के अनुसार रबी फसल की बुआई का उत्तम समय 15 अक्टूबर से नवंबर के बीच होता है, लेकिन

कई किसान गन्ना फसल लेने की वजह से देरी से बुआई करते है, जिससे भी रबी फसलों की बुआई कार्य में देरी होती है।

जिले में 2,28,300 हेक्टेयर में बोवनी पूर्ण - जिले में अब तक 2,28,300 हेक्टेयर यानि करीब 67 फीसदी बोवनी कार्य पूर्ण हो चुका है। जिसमें 1,65,500 हेक्टेयर में गेहूं, 45000 हेक्टेयर में चना, मसूर 0.200 हेक्टेयर, मटर 1500 हेक्टेयर, सरसो 8500 हेक्टेयर, अलसी 0.100 हेक्टेयर और गन्ना 7500 हेक्टेयर में बोया जा चुका है। पिछ्ले साल गेहूं का रकबा 2,94,731 हेक्टेयर, चना 54,829 हेक्टेयर, मसूर 0.168 हेक्टेयर, मटर 1006 हेक्टेयर, सरसो 13,730 हेक्टेयर, अलसी 0.019 हेक्टेयर और गन्ने का 21870 हेक्टेयर रकबा तय किया था। इस साल किसानों ने अलसी फसल को महत्व देते हुए निर्धारित लक्ष्य से अधिक बुआई करने में दिलचस्पी दिखाई है।

डिमांड आने पर जल संसाधन विभाग ने छोड़ा पानी- किसानों की डिमांड आने पर जल संसाधन विभाग ने छोटे डेमों से सिंचाई के लिए पानी छोड़ दिया है। आज 19 नवंबर से पारसडोह डेम से भी पानी छोड़े जाने की उम्मीद है। वहीं सांपना जलाशय से भी 20 नवंबर के आसपास पानी छोड़ा जा सकता है। जल संसाधन विभाग का कहना है कि किसानों की डिमांड आने पर इस माह के अंत तक जिले की सारी कैनाल में पानी छोड़ा जायेगा। मिली जानकारी के अनुसार मुलताई, आठनेर, भैंसदेही और आमला की 24 लघु परियोजनाओं से पानी छोड़ दिया है। आमला ब्लाक के काठी, रमली, बादलडोह डेम से पलेवा के लिए पानी छोड़ा है। गौरतलब रहे कि बारिश कम होने से जिले के 194 बांधों में से 129 में शत-प्रतिशत भर पाये थे।

इनका कहना है -

जिले में अब तक 2,28,300 हेक्टेयर में बुआई कार्य पूरा हो गया है। अक्टूबर में हुई बारिश के कारण देरी हुई है। उम्मीद है कि नवंबर के अंत तक या दिसंबर के पहले सप्ताह में लक्ष्य के अनुसार बुआई पूर्ण हो जायेगी।

- आनंद बडोनिया, डीडीए, बैतूल

जहां-जहां से किसानों की डिमांड आई थी, उन ब्लाकों में लघु परियोजनाओं से पलेवा के लिए पानी छोड़ा गया है। जल्द ही पारसडोह से भी पानी छोड़ा जायेगा।

- विपिन वामनकर, ईई, जल संसाधन विभाग, बैतूल

भौरा में निकला संघ का पथ संचलन, पुष्पवर्षा कर किया गया स्वागत

बैतूल/भौरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने नगर में पथ संचलन का आयोजन किया। स्वयंसेवक पारंपरिक वेशभूषा में विजय मंगल भवन में एकत्रित हुए, जहां संघ के पदाधिकारियों ने संगठन की मूल विचारधारा, इसके उद्देश्यों और समाज में इसके योगदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही संघ को मजबूत करने और ग्रामीण क्षेत्रों तक संगठन के विस्तार की रणनीतियों पर चर्चा की गई। पथ संचलन का शुभारंभ विजय मंगल भवन से हुआ, जो रामलीला चौक, बजरंग मंदिर, बस स्टैंड, और सीमेंट रोड होते हुए नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए पुन- विजय मंगल भवन में समाप्त हुआ। बैंड और घोष की धुन पर कदमताल करते स्वयंसेवकों ने अनुशासन और एकजुटता का संदेश दिया। पथ संचलन के दौरान नगर के विभिन्न स्थानों पर स्थानीय नागरिकों और समाजसेवियों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। माता मोहल्ला एवं सीमेंट रोड पर सामाजिक संगठनों ने विशेष रूप से उत्साहपूर्वक स्वागत किया। इस अवसर पर नगर में उत्साह और गरिमा का वातावरण बना रहा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उपखंड कार्यवाह अर्पित तिवारी ने बताया कि इस पथ संचलन का उद्देश्य समाज को एक दिशा, एक विचार और एकजुटता के साथ कार्य करने की प्रेरणा देना है। उन्होंने कहा, संघ ने 99 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पूरी कर ली है और अब अपने 100वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। यह आयोजन राष्ट्र के प्रति समर्पण और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने का माध्यम है।

संघ की विचारधारा पर बल- कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए संघ के पदाधिकारी जिला सह कार्यवाह आकाश गुप्ता एवं जिला संघचालक बुधपाल काकोडिया ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारतीय संस्कृति और नागरिक समाज के मूल्यों को बनाए रखने के लिए कार्य करता है। उन्होंने कहा कि संघ का ध्येय मातृभूमि के प्रति निस्वार्थ सेवा भाव से कार्य करना है और हिंदुत्व की विचारधारा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। पथ संचलन के दौरान नगर में सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पुलिस बल की तैनाती की गई थी। पुलिस बल पूरे आयोजन के दौरान पथ संचलन के साथ-साथ मौजूद रहा।

जनजाति विवाह शैली पर नृत्य व अभिनय कार्यक्रम सम्पन्न

बैतूल। शासकीय कन्या महाविद्यालय बैतूल के समाजशास्त्र विभाग ने जनजातियों में जीवनसाथी चुनने के तरीकों पर नाट्य मंचन और मध्यप्रदेश की जनजातियों पर फैशन शो कार्यक्रम का आयोजन किया। समाजशास्त्र विभाग ने छात्र केन्द्रित शिक्षण विधि के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमे समाजशास्त्र विषय की छात्राओं ने भील जनजाति में होने वाली गोल गधेडो, परीक्षा विवाह, प्रथाएं परीक्षा विवाह सेवा विवाह आदि का मंचन किया। छात्राओं ने मप्र में पाई जाने वाली जनजातियों पर फैशन शो किया। इस कार्यक्रम में छात्राओं ने जनजातियों की वेशभूषा तथा उनसे सम्बंधित महत्वपूर्ण सामाजिक सांस्कृतिक तथ्यों के विषय में जानकारी प्रदान की। समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ.मेघा मालवी ने समाज को समाजशास्त्र की प्रयोगशाला के रूप में व्याख्यायित किया तथा छात्राओं को लोक संस्कृति के संरक्षण के लिए प्रेरित किया। आईक्यूएसी इंचार्ज डॉ.आशीष गुप्ता ने नवीन शिक्षण पद्धतियों के विषय में व्याख्यान दिया। डॉ.साधना डेहरिया ने जनजाति भाषा और लोक संस्कृति विषय पर व्याख्यान दिया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.विद्या चौधरी ने छात्राओं को सक्रिय सहभागिता निभाने पर बधाई दी तथा लोक संस्कृति को जानने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुस्कान माथनकर, प्राची परिहार, नागले, ईशा श्रीवास्तव, कुमकुम साहू बबीता नागले, नीतू तांडीलकर आदि के सहभागिता निभाई।

ढोंडवाड़ा का गणित मॉडल शिक्षक की मेहनत से प्रथम

बैतूल। अक्सर देखा गया है कि बच्चों को गणित को लेकर भय देखा जाता है। यदि शिक्षक ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ सही मार्गदर्शन दे तो बच्चों के लिए गणित विषय भी कमजोर नहीं होता है। बशर्ते सही दिशा में प्रयास होना चाहिए। इससे सफलता अवश्य मिलती है। सोमवार को राज्य स्तरीय विज्ञान, गणित, पर्यावरण एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी ब्लाक स्तरीय का आयोजन सदर हाईस्कूल में किया गया। जिसमें शाला व जन शिक्षा केन्द्र विजेता स्कूल के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। ढोंडवाड़ा स्कूल का गणितीय मॉडल त्रिकोणमितीय उद्यान पर आधारित होने से बीईओ आशीष नवीन प्रहलादी, बीआरसीसी दुर्गेश रघुवंशी व प्राचार्य इंद्रावती लिल्लोरे ने मॉडल की सराहना की।

छात्र सत्यम कुंभारे, रूपाली पाटनकर और गणितीय शिक्षक मदनलाल डढोरे ने कहा कि मॉडल से कक्षा शिक्षण में कोणों की परख, त्रिकोणमिति सारणी के मापों को बच्चें आनंददायक तरीके से खेल-खेले में सीखने की प्रवृत्ति का विकास तेज गति से होता है। साथ ही बच्चे कठिन अवधारणाओं को सीख लेते हैं। छात्रों व शिक्षक के द्वारा लगातार विगत दिनों से मेहनत कर ब्लॉक में प्रथम प्राप्त करने से शाला परिवार व छात्रा में हर्ष है। शाला प्रबंधन समिति ने भी इस उपलब्धि पर इनके प्रयास की सराहना की है। इस अवसर पर छात्र-छात्राएं व शिक्षा विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

फरार आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं, आधे दिन तक बंद रहे सारणी क्षेत्र में व्यापारिक प्रतिष्ठान

सारणी/बैतूल। सारणी क्षेत्र के भाजपा नेता रविंद्र देशमुख सुसाइड केस में अब तक सभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। जिसके विरोध में सोमवार को बगड़ोना, शोभापुर, पाथाखेड़ा और सारणी के व्यापारिक प्रतिष्ठान दोपहर बाद तक बंद रहे। सामाजिक संगठनों के सदस्य और व्यापारी संघों के पदाधिकारियों ने बाइक रैली निकाली, जो पाथाखेड़ा होते हुए सारणी पहुंची। यहां सारणी थाना प्रभारी देवकरण डेहरिया को आईजी के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि आरोपी रंजीत सिंह, प्रकाश शिवहरे और दो अन्य की गिरफ्तारी, 40 दिन से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी नहीं हुई है। इससे क्षेत्र के लोगों में नाराजगी है। संगठनों ने आरोप लगाया कि पुलिस आरोपियों को पकडऩे में नाकाम रही है और चेतावनी दी कि अगर आरोपियों की गिरफ्तारी जल्द नहीं होती, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। इसके साथ ही आरोपियों के पोस्टर चिपकाने की भी मांग की गई। दरअसल भाजपा नेता रविंद्र देशमुख ने 7 अक्टूबर को आत्महत्या कर ली थी। उनके सुसाइड नोट में कुछ लोगों को आत्महत्या के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था। इन लोगों पर मृतक को पैसों की मांग के लिए मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा को धूमिल करने की धमकी देने का आरोप है। पुलिस ने इस मामले में दस लोगों को आरोपी बनाया था, जिसमें से 6 आरोपी गिरफ्तार किये जा चुके है, वहीं अन्य की गिरफ्तारी होना शेष है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसपी निश्चल एन. झारिया ने विशेष अनुसंधान दल (एसआईटी) का गठन किया है। आरोपियों की धरपकड़ के लिए विभिन्न राज्यों में पुलिस टीमों को भेजा गया। साथ ही फरार आरोपियों की गिरफ्तारी पर 5 हजार का इनाम भी घोषित किया गया है, लेकिन अभी तक फरार आरोपियों को पकडऩे में पुलिस को सफलता नहीं मिली है।

70 प्लस आयु के सभी पात्र वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं : सीईओ

बैतूल। जिले में अभियान के रूप में 70 प्लस आयु के सभी पात्र वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाएं जाए। सभी ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर, सीईओ जनपद, सीएमओ, परस्पर समन्वय से आयुष्मान कार्ड बनाने के काम को पूर्ण कराएं। एसडीएम प्रतिदिन आयुष्मान कार्ड की प्रगति की करें। एसडीएम फील्ड पर जाकर पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, एएनएम, सीएचओ द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाने के कार्यो का निरीक्षण करें। कम प्रगति दिखाई देने पर आवश्यक दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन देकर प्रगति लाई जाए। यह निर्देश सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन ने दिए। बैठक में संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद सहित सभी विभागों के जिलाधिकारी उपस्थित रहें। बैठक में को जिला पंचायत श्री जैन ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की भी विभागवार विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने श्रम विभाग, जनजातीय कार्य, उद्योग ,पंचायत, राजस्व इत्यादि विभागों को शिकायतों के निराकरण में विशेष ध्यान देकर श्रेणी सुधारने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने 50 दिवस से अधिक और सीपीग्राम पर दर्ज शिकायतों का भी प्राथमिकता से

निराकरण करने के निर्देश दिए। सीईओ जिला पंचायत श्री जैन ने 7 दिसंबर को नर्मदापुरम में आयोजित होने वाले रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की तैयारी की भी जानकारी ली। उन्होंने एग्रीकल्चर, हॉर्टिकल्चर, माइनिंग, पशुपालन, सहकारिता इत्यादि विभागों को निर्देश दिए कि ज्यादा से ज्यादा रजिस्ट्रेशन करवाकर उद्योगपतियों को कॉन्क्लेव में सहभागी बनाएं।

अभियान प्रारंभ करने दिये निर्देश- भगवान बिरसा मुंडा जयंती के तहत आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में मैदानी स्तर पर ग्राम सभाएं, रैली, सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वास्थ्य कैंप इत्यादि गतिविधियों का आयोजन किया जाए और उनका व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए। बताया गया कि स्वच्छ शौचालयों तक पहुंच और उपयोग तथा स्वच्छता पर जागरूकता बढ़ाने के लिए 19 नवंबर को विश्व शौचालय दिवस मनाया जाता है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन ने बताया कि इस वर्ष भी विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान प्रारंभ करने के निर्देश दिये गये हैं। यह अभियान विश्व शौचालय दिवस 19 नवंबर 2024 से शुरू होकर 10 दिसंबर 2024 को मानवाधिकार दिवस पर समाप्त होगा।

विजेताओं को किया जायेगा सम्मानित- अभियान अवधि में एसबीएम अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम / गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा। ग्राम स्तर पर सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत शौचालय प्रतियोगिता तथा सर्वश्रेष्ठ सामुदायिक स्वच्छता परिसर प्रतियोगितायें आयोजित की जाएगी तथा ब्लॉक एवं जिला स्तर पर विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। अन्य विभिन्न गतिविधियों के साथ-साथ स्वच्छता के लिए व्यवहार परिवर्तन और शौचालय के उपयोग विषय पर प्रभावी गतिविधियों का आयोजन कर हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान को सफल बनाया जायेगा।

ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता रैली का आयोजन

कैंसर चैंपियंस ने साझा किए अपने प्रेरक अनुभव

भोपाल। कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने और समाज में इसके प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से कृष्णा कैंसर हॉस्पिटल भोपाल और एलएस हेल्थ सोसाइटी ने ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता रैली का आयोजन किया। रैली भोपाल के मुख्य मार्गों से होकर गुजरी, जिसमें सैकड़ों पुरुष और महिलाओं ने हिस्सा लिया। रैली का शुभारंभ भोपाल की डीसीपी प्रियंका शुक्ला ने किया। डीसीपी शुक्ला ने न केवल रैली को हरी झंडी दिखाई, बल्कि स्वयं इसमें पैदल चलकर महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा किब्रेस्ट कैंसर जैसी बीमारी से लडने् के लिए समाज को एकजुट होकर काम करना होगा। जागरूकता ही बचाव का पहला कदम है। कार्यक्रम में वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. सुनील कुमार ने ब्रेस्ट कैंसर की प्रारंभिक पहचान और रोकथाम पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा, यदि महिलाएं नियमित रूप से जांच कराएं और शुरुआती लक्षणों को गंभीरता से लें, तो ब्रेस्ट कैंसर को प्रभावी रूप से नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नियमित स्वास्थ्य जांच कराने पर जोर दिया।

कैंसर चैंपियंस ने दी प्रेरणा – कार्यक्रम की सबसे खास बात कैंसर चैंपियंस की प्रस्तुतियां रहीं। कैंसर से जूझ चुकी राखी ने शास्त्रीय नृत्य की अद्भुत प्रस्तुति दी, जो दर्शकों को भावुक और प्रेरित करने वाली थी। वहीं, 75 वर्षीय वनमाला काकू ने अपनी पैरोडी से सबका मन मोह लिया। वनमाला काकू, जो 24 साल पहले कैंसर से मुक्त हुई थीं, ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, कैंसर जीवन का अंत नहीं है। समय पर उपचार और सकारात्मक दृष्टिकोण से इस बीमारी को हराया जा सकता है। मैं आज स्वस्थ हूं और समाज को संदेश देना चाहती हूं कि डरने की बजाय जागरूक बनें।

कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाई – कृष्णा कैंसर हॉस्पिटल की निदेशक डॉ. कृष्णा कटेवा ने बताया कि हर वर्ष इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ताकि कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। उन्होंने कहा, हमारी कोशिश है कि लोग कैंसर को लेकर गलतफहमियों से बाहर आएं और इसे समय पर पहचान कर सही उपचार लें। इस वर्ष लायंस क्लब ने भी इस जागरूकता अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई। क्लब के सदस्यों ने बड़ी संख्या में रैली में भाग लिया और कैंसर जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किए।

रैली के समापन में लिया सामुहिक संकल्प – रैली का समापन प्रेरणादायक संदेशों और सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। आयोजकों ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी ऐसे जागरूकता अभियान आयोजित किए जाएंगे। यह कार्यक्रम न केवल ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सफल रहा, बल्कि समाज को यह संदेश भी दिया कि कैंसर को समय पर उपचार और सही जानकारी से हराया जा सकता है।

ईश्वरपुर में नर्मदा परिक्रमा पदयात्रियों का आगमन

सुबह सवेरे सोहागपुर। समीपवर्ती ग्राम ईश्वरपुर के मां नर्मदा तट पर स्थित स्वामी ईशानंद सरस्वती के आश्रम में नर्मदा परिक्रमा पदयात्रियों का आगमन निरंतर हो रहा है। नर्मदा पदयात्रियों के लिए आश्रम में भंडारे का आयोजन हो रहा है। उल्लेखनीय है कि स्वामी ईशानंद सरस्वती करीबन 13, 14 सालों से ग्रामवासियों के सहयोग से नर्मदा परिक्रमा पदयात्रियों के लिए निरंतर भंडारे का आयोजन करते हैं।

उप कृषि मंडी में किसानों को मिलेगा खाद

सुबह सवेरे सोहागपुर। सोहागपुर ब्लाक में क्षेत्र के किसान लंबे अरसे से खाद के लिए परेशानी का सामना करते थे। किसान काफी समय से सोहागपुर विधानसभा के मुख्यालय पर डबल लॉक की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग करते आ रहे थे। इसी परेशानी को दूर करने के लिए विधायक ठाकुर विजयपालसिंह के अथक प्रयासों से कल दिनांक 19 नवंबर से पिपरिया रोड सोहागपुर उप कृषि मंडी परिसर में किसानों को खाद उपलब्ध हो सकेगा। उक्त आश्य की जानकारी विधायक प्रतिनिधि अश्विन सरोज ने इस प्रतिनिधि को दी। आपने आगे बताया कि किसानों को डबल लॉक जैसी सुविधा मिलेगी। इससे क्षेत्र के किसानों को खाद की आपूर्ति सरलता से प्राप्त हो सकेगी। विधायक ठाकुर विजयपालसिंह ने क्षेत्र के समस्त किसानों को बधाई प्रेषित की है।

ऑपरेशन हवालात के तहत देवास पुलिस की प्रभावी कार्यवाही

देवास। थाना कोतवाली पुलिस के द्वारा 03 माह से फरार स्थाई वारंटी आरोपी सुरज पिता मोहन मेडा उम्र 23 साल निवासी शिवाजीनगर मोती बंगला देवास को गिरफ्तार कर भेजा जेल।

जिला पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद के द्वारा 01 नवम्बर 2024 से सम्पूर्ण जिलें मे 'ऑपरेशन हवालात' की शुरूआत की गई है । जिसके अंतर्गत लंबे समय से फरार इनामी बदमाशों की की गिरफ्तारी पर जोर दिया जा रहा है। साथ ही गंभीर अपराधों मे फरार आरोपियों की त्वरित गिरफ्तारी को भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

इसी अनुक्रम थाना प्रभारी कोतवाली के द्वारा संबंधी प्रकरण में अपराध क्रमांक 534/2024 धारा 34 आबकारी अधिनियम के उक्त प्रकरण का आरोपी 03 माह से लगातार पुलिस गिरफ्त से दूर चल रहा था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री जयवीर सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक देवास श्री दीशेष अग्रवाल के निर्देशन में थाना प्रभारी कोतवाली श्री अजय गुर्जर के नेतृत्व में 'ऑपरेशन हवालात' के तहत विशेष टीम गठित की थी । जो कि मुखबिर तंत्र एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की गिरफ्तारी हेतु लगातार प्रत्यनशील थी ।

दिनांक 18.11.2024 को पुलिस को पुख्ता सूचना मिली कि फरार स्थाई वांरटी देवास में देखा गया जिस पर से तत्काल पुलिस अधीक्षक ने आरोपी की धरपकड़ हेतु टीम को रवाना किया। उक्त टीम ने सफलता पूर्वक आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाना है

उल्लेखनीय है कि देवास पुलिस द्वारा 'ऑपरेशन हवालात' के तहत 1 नवम्बर 2024 से आज दिनांक तक 17 फरार स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार किया जा चुका है जिन पर कुल 12000/–रुपए का ईनाम उद्घोषित था। पुलिस कप्तान द्वारा उक्त उल्लेखनीय उपलब्धि पर थाना प्रभारी एवं टीम को शुभकामानएं प्रेषित की ।

2.86 किलो गांजे के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

बैतूल/आमला। अवैध मादक पदार्थ गांजे का परिवहन करते हुए पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर आरोपी से पूछताछ कर रही है। संभावना है कि पूछताछ में आरोपी से गांजे के स्रोत और वितरण नेटवर्क के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकती है। दरअसल

आमला थाना प्रभारी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रामटेक पहाड़ी मंदिर के पास, बोडखी, हसलपुर में एक युवक द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजे का परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी कर अविनाश सारवान उर्फ चिरकू पिता लंकेश सारवान (उम्र 27 वर्ष, निवासी रेलवे पटरी के पास आमला) को 2 किलो 86 ग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने नागरिकों से अपील है कि नशीले पदार्थों की बिक्री, परिवहन, या उपयोग की सूचना मिले, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। सूचना देने के लिए नजदीकी थाने से संपर्क करें या बैतूल पुलिस के हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

कलेक्टर श्री गुप्ता की अध्यक्षता में समय-सीमा संबंधी बैठक आयोजित

सभी अधिकारी कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न अधिनियम को अच्छे से पढ़ लें : कलेक्टर श्री गुप्ता

देवास। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता की अध्यक्षता में समय-सीमा संबंधी लंबित पत्रों के निराकरण की प्रगति तथा अंतरविभागीय समन्वय से संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री हिमांशु प्रजापति, अपर कलेक्टर श्री प्रवीण फुलपगारे, एसडीएम सोनकच्छ श्रीमती प्रियंका मिमरोट, एसडीएम टोंकखुर्द श्री कन्हैयालाल तिलवारी, डिप्टी कलेक्टर श्री संजीव सक्सेना, डिप्टी कलेक्टर श्री अभिषेक शर्मा सहित अन्य विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे। समय-सीमा बैठक में विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी वर्चुअल शामिल हुए।

बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम को सभी अधिकारी अच्छे से पढ़ लें। काई भी किसी भी बात को मजाक में नहीं लें। यदि कोई शिकायत आती है तो सख्त कार्यवाही की जायेगी। अधिनियम यौन उत्पीड़न को रोकने, निषेध करने, और उससे निपटने के लिए बनाया गया है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि महिला अधिकारी/ कर्मचारी अनचाहे व्हाट्सअप, कॉल को नजर अंदाज नहीं करें।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने जिले में मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, संशोधन करवाने और नाम हटवाने की प्रक्रिया 28 नवम्बर तक की जा रही है। जिले में नये नाम जुड़वाने के लिए अभी बहुत कम आवेदन आये है। सभी एसडीएम और तहसीलदार विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 के कार्यक्रम की मॉनिटरिंग करें। जल जीवन मिशन की समीक्षा कर प्रगतिरत नल जल योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि जिन ग्रामों में नल जल योजना हैण्ड ऑवर हो गई है, वहां जल कर वसूल ने की कार्यवाही करें। कलेक्टर श्री गुप्ता ने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिये कि न्यायालय में लम्बित प्रकरणों को निराकरण शीघ्र करें। भूमि स्वामियों की ईकेवायसी करें और सीमांकन संबंधी प्रकरणों का निराकरण शीघ्र करें।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने स्वामित्व योजना के प्रकरणों की तहसीलवार समीक्षा कर प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री गुप्ता ने ''अमृत संचय अभियान'' की समीक्षा कर निर्देश दिये कि जिले में बोरी बंधान का लक्ष्य पूर्ण कर लिया है। अब जिले के प्रत्येक ग्राम में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने की कार्यवाही करें। रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने के लिए सरपंचो और सभी संबंधितों को प्रशिक्षण भी दिया गया है। ईई आरईएस प्रतिदिन फिल्ड पर जाये और निरीक्षण करें। प्रत्येक जल जीवन मिशन संरचना के पास रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाये। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि जनपद पंचायत सदस्य और ग्राम पंचायत में पंच के चुनाव होना है। इस संबंध में सभी संबंधित अधिकारी आवश्यक तैयारियां कर लें।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने समाधान ऑनलाइन आवेदनों की समीक्षा कर निर्देश दिये कि समाधान एट्रीब्यूट की शिकायतों का निराकरण शीघ्र करें। कलेक्टर श्री गुप्ता ने सीएम हेल्पलाइन की प्रगति की समीक्षा कर निर्देश दिये कि अधिकारी शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण कर अपनी ग्रेडिंग सुधारें। शिकायतों का संतुष्टीपूर्वक निराकरण करें। स्वास्थ्य विभाग लगातार डी ग्रेड में बना हुआ है। स्वास्थ्य विभाग शिकायतों का निराकरण कर अपनी ग्रेड सुधारे। कलेक्टर श्री गुप्ता ने एनआरसी में भर्ती बच्चों की जानकारी ली। खातेगांव में एनबीएसयु में स्टॉफ की कमी होने पर सीएमएचओ को निरीक्षण के निर्देश दिये।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने टीएल प्रकरणों की विभागवार समीक्षा कर टीएल प्रकरणों को समय-सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री गुप्ता ने ''मेरी शाला सम्पूर्ण शाला'' अभियान, बोरी बंधान, रूफ वाटर हार्वेस्टिंग, सायबर तहसील, लोक सेवा ग्यारंटी प्रकरणों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

शांतिभंग करने वाले नौ बदमाशों को थाना औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने पकड़ा

थाना क्षेत्र में अलग अलग स्थानों पर कर रहे थे हंगामा

शहर में चौराहों पर हंगामा करने वालों पर होगी सख्त कार्यवाही

देवास/मोहन वर्मा। पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद द्वारा शहर में अशांति फैलाने वाले बदमाशों पर लगातार कार्यवाही के आदेश दिये गये थे जिस पर से श्रीमान् अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री जयवीरसिंह भदौरिया एवं देवास नगर पुलिस अधीक्षक श्री दीशेष अग्रवाल द्वारा शांति भंग करने वाले बद्माशों पर धारा 170 बीएनएसएस के तहत कार्यवाही करने हेतु थाना प्रभारी थाना औद्योगिक क्षेत्र निरीक्षक शशिकांत चौरसिया को निर्देशित किया गया था । पुलिस थाना औद्योगिक क्षेत्र ने उक्त आदेश के पालन में लगातार शहर में पैदल भ्रमण व सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है । दिनांक 18.11.2024 को अनावेदक 01. राहुल पिता राजेश सोलंकी उम्र 27 साल 02. राहुल उर्फ संजय पिता सोदानसिंह भाट उम्र 34 साल 03. श्याम उर्फ मायकल पिता मंशाराम सेगडिया उम्र 20 साल नि.गण सर्वोदय नगर देवास एवं 04. संतोष पिता गिरधारीलाल मालवीय उम्र 31 साल निवासी बीराखेडी 05. श्याम पिता रमेश राठौर जाति तेली उम्र 28 साल निवासी शांतिनगर अमोना 06. जय पिता रामप्रसाद मालवीय उग्र 25 साल निवासी मेंढकी देवास एवं 07. शुभम मालवीय पिता देवकरण मालवीय उम्र 22 साल निवासी हाउसिंह बोर्ड कालोनी देवास 08. पवन पिता विक्रम मल्होत्राउग्र 29 साल निवासी गांधी चौक बावड़िया देवास एव 09. लवीशपुरी पिता महेश पुरी गोस्वामी निवासी दशहरा मैदान क्षिप्रा देवास के शहर की अलग अलग कालोनियों में वाद विवाद कर चिल्ला चोंट कर शांति भंग कर रहे थे जिन्हे पुलिस टीम द्वारा धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्यवाही की गयी है । देवास पुलिस द्वारा शांति भंग कर शहर में उन्माद फैलाने का प्रयास करने वालों पर लगातार सख्त कार्यवाही की जावेगी । सराहनीय कार्य- उक्त सराहनीय कार्य में निरीक्षक शशिकान्त चौरसिया थाना प्रभारी थाना औद्योगिक क्षेत्र देवास, प्र.आर. पूनमचंद्र, हीरालाल, किशौर , गोपाल दोहरे, विनोद जायसवाल, नरसिंह दामा, जितेन्द्र चौधरी, आर. अजय जाट, श्याम मालवीय, नरेन्द्र थाना औद्योगिक क्षेत्र देवास की सराहनीय भूमिका रही।

बच्चों को निमोनिया से बचाने जिले में चल रहा सांस अभियान

बैतूल। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में 12 नवम्बर से प्रारंभ सांस अभियान आगामी 28 फरवरी 2025 तक चलाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रविकांत उइके ने बताया कि सांस अभियान अंतर्गत आरबीएसके एएमओ, सीएचओ एवं एएनएम द्वारा निमोनिया के प्रकरणों का चिन्हांकन कर उचित प्रबंधन एवं आशा कार्यकर्ता निमोनिया की पहचान हेतु 5 वर्ष तक के कम आयु के बच्चों के घरों भ्रमण कर रही है। इस दौरान बच्चों को खांसी एवं सांस लेने में कठिनाई होने पर निमोनिया प्रबंधन प्रोटोकॉल अनुसार सिरप अमोक्सिसिलिन देगी एवं रेफरल हेतु उचित व्यवस्था करेगी। सीएमएचओ डॉ.उईके ने बताया कि सांस (एस.ए.ए.एन.एस.) सोशल अवेयरनेस एण्ड एक्शन टू न्यूट्रलाइजर न्यूमोनिया सक्सेसफुली) अभियान के मुख्य उदेदश्य निमोनिया के प्रारंभिक लक्षणों की समय पर पहचान कर प्रारंभिक उपचार एवं उचित स्वास्थ्य संस्था में रैफर तथा निमोनिया के संबंध में जन जागरूकता के माध्यम से 5 वर्ष तक आयु के बच्चों में निमोनिया से होने वाली मृत्यु 5.1 प्रति हजार से 3 प्रति हजार जीवित जन्म तक लाना है। सीएमएचओ डॉ.उईके ने बताया कि 5 वर्ष तक के बच्चों में मृत्यु का सबसे अधिक कारण निमोनिया संक्रमण है। निमोनिया के प्रकरण मुख्यतः सर्दी एवं वर्षा ऋतु, अधिक प्रदूषण, धुआं, स्लम एरिया वाले क्षेत्रों में सबसे अधिक होने की संभावना होती है। जिन बच्चों का पूर्ण टीकाकरण नहीं हुआ है या जो बच्चे कुपोषित हैं उन्हें निमोनिया होने की संभावना रहती है। इन बच्चों को शीघ्र स्तनपान उपलब्धता, पूरक आहार, विटामिन ए की खुराक, साफ सफाई, साबुन एवं पानी से हाथ धोना, घरेलू वायु प्रदूषण को कम करने संबंधी उपाय अपनाकर एवं इस संबंध में जन समुदाय को जागरूक कर निमोनिया को कम किया जा सकता है।

हेल्थ पर्यावरण सामाजिक संस्था ने ज्ञान सागर इंटरनेशनल स्कूल में छात्रों का नेत्र परीक्षण करवाया

सुबह सवेरे सोहागपुर। हेल्थ पर्यावरण सामाजिक संस्था के तत्वाधान में संत हिरदाराम सेवा सदन के सहयोग से ज्ञान सागर इंटरनेशनल स्कूल में छात्र छात्राओं के साथ शाला के

संम्पूर्ण शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का परीक्षण करवाया गया। ज्ञानी सुरजीतसिंह ने बताया कि हमारी संस्था की सभी स्कूलों में बच्चों का आंखों का चेकअप करने की मुहिम आरंभ की गई है। जिसमें बच्चों में कई प्रकार की कमियां पाई जा रही है। मोबाइल के कारण बच्चों को माइग्रेन, आंखों में जलन की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। अधिकांश मोबाइल में ज्यादा चलने से प्रभावित हो रहे है । इसी कारण संस्था स्कूली छात्रों के लिए गांव गांव में स्कूलों में जाकर

नेत्र परीक्षण एवं पढ़ाई पर ध्यानाकर्षण कर रही है। इस अवसर पर संत हिरदाराम सेवासदन के डॉक्टर अच्छाजी मालवीय मैडम , डॉक्टर जॉयब अली, बलबीरसिंह पवार ,जावेद हुसैन के अलावा ज्ञान सागर इन्टरनेशनल स्कूल के शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ कर्मचारी उपस्थित थे।

भोपाल निगम ऑफिस में प्रदर्शन, कमिश्नर को घेरा

भोपाल (नप्र)। भोपाल में नगर निगम के हाउसिंग फोर ऑल प्रोजेक्ट में हो रही लेटलतीफी से परेशान हितग्राहियों ने सोमवार को आईएसबीटी निगम ऑफिस का घेराव कर दिया। प्रदर्शन कर रही भीड़ ने ऑफिस के अंदर घुसने का प्रयास किया। लेकिन, पुलिस ने भीड़ को गेट पर ही रोक दिया। गुस्साए लोग नारेबाजी करते हुए गेट सामने ही धरने पर बैठे गए। विरोध प्रदर्शन कर रहे हितग्राही हाथों में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के पोस्टर लेकर पहुंचे है।

प्रदर्शनकारियों की अपनी मांगों को सुनने के लिए मौके पर नगर निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण और महापौर मालती राय को बुलाने पर अड़ गए। विरोध बढ़ता देख मौके पर पहुंचे निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण का लोगों ने घेराव कर दिया। मौके पर मौजूद पुलिस ने लोगों को समझाने का प्रयास किया लेकिन लोग उनकी मांगों को पूरी करने की नारेबाजी करते रहे।प्रदर्शन कर रहे लोगों ने ऑफिस के अंदर जाने का प्रयास किया तो पुलिस ने

उन्हें गेट पर ही रोक दिया।

प्रदर्शन में नन्हें बच्चों को साथ लेकर पहुंची महिलाएं- सोमवार को निगम के हाउसिंग के 12 नंबर, बाग मुगालिया-गंगानगर के अधूरे प्रोजेक्ट के विरोध में सैकड़ों की संख्या में पहुंचे हितग्राहियों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान मकान के लिए कई महिलाएं अपने नन्हें बच्चे को साथ लेकर पहुंची। वहीं प्रदर्शन के दौरान जैसे ही निगम कमिश्नर मौके पर पहुंचे लोगों ने उनका घेराव कर दिया।

निगम कमिश्नर के कदमों में गिरा हितग्राही, बोला – मुझे मकान दे दो- विरोध प्रदर्शन के दौरान निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण जैसे ही ऑफिस पहुंचे एक व्यक्ति उनके कदमों में गिरकर रोने लगा। उसने कमिश्नर से गुजारिश की कि, सालों से भटक रहा हूं, मकान नहीं मिला। मुझे मकान दे दो। वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने व्यक्ति को संभाला। कमिश्नर ने लोगों को समझाया और कहा कि जल्द ही सभी को मकान दिए जाएंगे। मौके पर निरीक्षण को दौरान लोगों की समस्या सुनने का भी आश्वासन दिया है।लोगों का कहना है कि सालों से अगल अलग दफ्तरों में अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही।

लोगों का आरोप- सिर्फ तारीख मिल रही- नगर निगम ने दिवाली पर घर देने का वादा किया था, जो पूरा नहीं हुआ। अब तक न तो बिल्डिंग बनकर तैयार हुई है और न ही बिजली लाइन बिछी है। चारों ओर गंदगी है। मलबा पड़ा है। 5 साल से होम लोन की किश्त और मकान का किराया दोनों भर रहा हूं। वेतन का 50-60 प्रतिशत हिस्सा केवल इसी में जा रहा है।

यह दर्द है 12 नंबर मल्टी में फ्लैट बुक कराने वाले लोकेंद्र श्रीवास्तव का। वे बिजली कंपनी में कार्यरत है। उन्होंने करीब 6 साल पहले फ्लैट बुक कराया था, जो अब तक नहीं मिला है। चूंकि, निगम ने दिवाली से पहले घर देने का वादा किया था, लेकिन यह पूरा नहीं किया। लोकेंद्र श्रीवास्तव जैसे ही हजारों लोग अपने घर का इंतजार कर रहे हैं।

2017 में हुई थी शुरुआत

12 नंबर बस स्टाप पर पीएम आवास योजना के अंतर्गत 2017 में प्रोजेक्ट की शुरुआत हुई थी। दो साल में प्रोजेक्ट पूरा होना था। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत एमआईजी 216, एलआईजी 576 और ईडब्ल्यूएस 1008 फ्लैट बनाए गए हैं। इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 247 करोड़ है। निगम वर्ष 2017 में ही बड़ा इवेंट कर इन फ्लैट्स की बुकिंग शुरू की थी।

शहर में कई प्रोजेक्ट, वे भी अधूरे

बता दें कि नगर निगम के गंगानगर, 12 नंबर, भानपुर समेत कई जगहों पर प्रोजेक्ट चल रहे हैं। पीएम आवास योजना के तहत मकान बन रहे हैं, लेकिन काम में लेटलतीफी आम लोगों पर भारी पड़ रही है। सालों पहले उन्होंने इस उम्मीद में फ्लैट्स या सिग्लेक्स मकान बुक कराए थे कि उन्हें जल्दी पजेशन मिल जाएगा, लेकिन कई जगहों पर प्रोजेक्ट को सालों बीत चुके हैं। बावजूद लोगों का अपने घर का सपना पूरा नहीं हो रहा है। निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण जल्द प्रोजेक्ट पूरे कर हितग्राहियों को घर देने की बात कही है।

सागर में पलटी स्लीपर बस, 12 यात्री घायल

सड़क पर अचानक गाय सामने आई, बचाने में अनियंत्रित हुई, 4 गंभीर रुप से घायल

सागर (नप्र)। सागर में छानबीला थाना क्षेत्र के ग्राम सासन के पास देर रात छतरपुर से इंदौर जा रही स्लीपर बस पलट गई। दुर्घटना में बस में सवार 12 यात्री घायल हुए हैं। 4 यात्रियों को गंभीर चोट आई है। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया।

बस के सामने गाय आई- जानकारी के अनुसार, खुशबू ट्रैवल्स की स्लीपर बस रविवार रात छतरपुर से सवारियां लेकर सागर होते हुए इंदौर जा रही थी। तभी छतरपुर मार्ग पर ग्राम सासन के पास अचानक सड़क पर बस के सामने गाय आ गई। गाय को बचाने के लिए ड्राइवर ने ब्रेक लगाए तो बस अनियंत्रित हुई और सड़क किनारे पलट गई।

कई यात्री सोए हुए थे- घटना के समय कई यात्री सोए हुए थे। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और बस में फंसे घायलों को बाहर निकाला। सूचना पर छानबीला थाना पुलिस पहुंची और एम्बुलेंस की मदद से घायलों को शाहगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया था।

जहां गंभीर घायल 4 यात्रियों का प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल रेफर किया गया था। वहीं सामान्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया है। मामले में पुलिस ने क्षतिग्रस्त बस को जेसीबी की मदद से सड़क किनारे से हटवाया है।

संत बोले-सुनो ओवैसी, 5 मिनट में काम तमाम हो जाएगा

उज्जैन में कहा- 15 मिनट वाली चुनौती स्वीकार, पिस्तौल लोड करते वीडियो जारी किया

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन के संतों ने सांसद असदुद्दीन ओवैसी के 15 मिनट वाले बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बंदूक और पिस्तौल लोड करते हुए वीडियो भी जारी किया। आह्वान अखाड़े के महामंडलेश्वर अतुलेशानंद महाराज ने कहा- 15 मिनट नहीं, हम आपको 15 दिन देते हैं। आप अपनी पूरी तैयारी के साथ आएं। आपकी चुनौती हमने स्वीकार कर ली है।

रामनाथ जी

वहीं, नाथ संप्रदाय के संत रामनाथ जी महाराज बोले- आप 15 मिनट मांग रहे हैं। हमारे लिए सिर्फ 5 मिनट काफी हैं। देशभर में नागा संप्रदाय के इतने संत हैं कि 5 मिनट में आपका काम तमाम होने में समय नहीं लगेगा। संत एक हाथ में शास्त्र और दूसरे में शस्त्र रखते हैं।

दोनों संतों ने यह बात रविवार को एक वीडियो जारी करते हुए कही। वीडियो में वे बंदूक और पिस्तौल के साथ नजर आए। उन्होंने ये बात हैदराबाद के सांसद और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन चीफ ओवैसी के '15 मिनट' वाले बयान पर पलटवार करते हुए कही, जो उन्होंने महाराष्ट्र में बुधवार को दिया।

महाराष्ट्र के सोलापुर में चुनाव प्रचार के दौरान ओवैसी मोबाइल और घड़ी दिखाते हुए बोले, 'अभी कितना टाइम हुआ है... 15 मिनट।' ये कहते हुए ओवैसी ने अपना मुंह पकड़ लिया और बोले, 'सॉरी।' फिर उन्होंने कहा कि अभी 9 बजकर 45 मिनट हो रहे हैं। मीडिया वालों, घड़ी चेक कर लो तुम्हारी भी। ओवैसी ने इसे चुनाव प्रचार के टाइम खत्म होने में 15 मिनट बाकी होने से जोड़ दिया जबकि यह उनके भाई अकबरुद्दीन ओवैसी की भड़काऊ टिप्पणी थी।

जबलपुर में डॉक्टर दंपत्ति से 54 लाख की ठगी

बेटे को देहरादून मेडिकल कॉलेज में सीट दिलवाने के नाम पर लिए पैसे, केस दर्ज

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर मेडिकल यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति आर एस शर्मा और उनकी पत्नी से 54 लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। बेटे को देहरादून मेडिकल कॉलेज में पीजी में एडमिशन दिलवाने के नाम पर रुपए ऐंठ लिए। सीट नहीं मिलने पर आरोपी ने रकम भी नहीं लौटाई। पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिला डॉ. अर्चना शर्मा सोमवार को पति डॉक्टर आर एस शर्मा के साथ गोरखपुर थाने पहुंची। जहां लिखित में उन्होंने शिकायत दर्ज करवाते हुए बताया कि, उनके बेटे सिद्धार्थ शर्मा ने नीट पीजी 2023 में क्वालीफाई किया था। करीब एक साल पहले पेसिफिक एजुकेशन मुंबई में रहने वाले सोनू बंसल ने उन्हें कॉल किया और बताया कि देहरादून मेडिकल कॉलेज में उनके बेटे को वह सीट दिलवा सकते हैं।

डॉ. अर्चना शर्मा ने यह बात अपने पति डॉ. आरएस शर्मा जो की मेडिकल यूनिवर्सिटी से रिटायर्ड वी.सी है, उन्हें बताई। डॉ. अर्चना शर्मा के पास फिर मुंबई निवासी सोनू बंसल का सिद्धार्थ के एडमिशन के लिए लगातार कॉल आता रहा। सोनू बंसल ने डॉ. दंपती को बताया कि, देश के किसी भी शहर के मेडिकल कॉलेज में एडमिशन करवाना हो तो वह तुरंत दिलवा सकते हैं। सोनू ने डॉक्टर शर्मा के पास कई कॉलेजों की सूची भेजी।

म.प्र.में खाद की किल्लत, सड़क पर उतरेंगे किसान

भाकिसं ने ज्ञापन सौंपा, गेहूं-चने की बोवनी में जरूरी डीएपी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में खाद की किल्लत है। दूसरी ओर, डीएपी-यूरिया की कालाबाजारी भी हो रही है। भोपाल में एक दुकानदार पर एफआईआर दर्ज हो चुकी है। वहीं, भोपाल, टीकमगढ़, सागर समेत कई जिलों में किसान खाद के लिए हंगामा कर चुके हैं। इसी बीच सोमवार को भारतीय किसान संघ प्रदेश के सभी जिलों में कलेक्टरों को ज्ञापन सौंपा।

भारतीय किसान संघ के अध्यक्ष सर्वज्ञ जी. दीवान ने बताया, अभी पूरे प्रदेश में गेहूं-चना समेत रबी फसलों की बोवनी चल रही है, लेकिन किसानों को यूरिया और डीएपी नहीं मिल रही है। खाद की कालाबाजारी हो रही है। जिससे किसानों को अधिक कीमत पर खाद खरीदना पड़ रही है। दो दिन पहले सरकार को व्यवस्था सुधारने को कहा था, पर ऐसा नहीं हुआ। इसलिए सोमवार को संघ प्रदेश के सभी जिलों में मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टरों को ज्ञापन सौंपा।

अभी डीएपी की सबसे ज्यादा जरूरत- अच्छी बारिश होने के बाद प्रदेश में किसान गेहूं, चने समेत अन्य रबी फसलों की बुआई कर रहे हैं। इस दौरान डीएपी(डाई अमोनियम फॉस्फेट) की जरूरत रहती है। इसलिए किसान सोसायटियों के अलावा प्राइवेट दुकानों से भी खाद खरीद रहे हैं, लेकिन उन्हें इसके बदले ज्यादा कीमत चुकाना पड़ रही है। भोपाल में ऐसा ही मामला सामने आ चुका है। भोपाल के बैरसिया थाने में नरसिंहगढ़ रोड स्थित गौर कृषि सेवा केंद्र के संचालक कमल सिंह गौर के विरुद्ध उर्वरक नियंत्रक आदेश 1985 के प्रावधानों के तहत धारा 3, 4, 5 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धार 3, 7 के तहत एफआरआई दर्ज की गई है। यह सीजन में भोपाल में खाद विक्रेता पर पहली बड़ी कार्रवाई है।

मारपीट तक की नौबत आ रही है- भोपाल की बैरसिया मंडी में खाद नहीं मिलने से 3 दिन पहले किसानों ने हंगामा कर दिया था। एसडीएम आशुतोष शर्मा और पुलिस को मामला संभालना पड़ा था। टीकमगढ़ जिले के एक खाद वितरण केंद्र में भी 3 दिन पहले खाद को लेकर जमकर हंगामा हुआ था। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के गांव डूंडा से खाद लेने आई नेहा लोधी के साथ महिला कांस्टेबल चंद्रमुखी ने मारपीट की थी। इसके बाद लड़की के साथ आए परिजनों और अन्य किसानों ने वितरण केंद्र पर हंगामा शुरू कर दिया था। सागर के बंडा में 18 दिन पहले खाद की किल्लत के विरोध में बंडा विधानसभा के पूर्व कांग्रेस विधायक तरवर सिंह लोधी किसानों के साथ मंडी परिसर में धरने पर बैठ गए थे। उन्होंने किसानों को खाद दिलाए जाने की मांग की थी।

भोपाल में खाद की कालाबाजारी करने पर गोदाम और दुकान सील

भोपाल के बैरसिया में खाद की कालाबाजारी करने पर गोदाम और दुकन सील कर दी गई। एसडीएम आशुतोष शर्मा और तहसीलदार करुणा दंडोतिया ने यह कार्रवाई की थी।

500 रुपए ज्यादा में बिक रही डीएपी

भोपाल के बैरसिया में जो मामला सामने आया, उसमें 1350 रुपए प्रति बोरी के हिसाब से मिलने वाली डीएपी खाद को 500 रुपए ज्यादा लेकर 1850 रुपए में बेचना सामने आया। वहीं, 267 रुपए कीमत की यूरिया की एक बोरी के 340 रुपए लिए गए। एसडीएम आशुतोष शर्मा की जांच में यह सामने आया था। इसके बाद गोदाम और दुकान सील कर दी गई थी।

किसानों को बांटे जा रहे टोकन

भोपाल की बैरसिया कृषि उपज मंडी में पुलिस की मौजूदगी में किसानों को डीएपी खाद वितरित किया जा रहा है। यहां किसानों को टोकन देकर 5 बोरी डीएपी खाद दिया जा रहा है।

एबीवीपी के 5 कार्यकर्ता घायल, सीएसपी सीढ़ियों से गिरे

पोस्टर लगाने को लेकर लेफ्ट विंग के छात्रों ने चलाए लाठी-डंडे, कलेक्ट्रेट का घेराव

गुना (नप्र)। ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन (एआईडीएसओ) और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) कार्यकर्ताओं के बीच रविवार देर रात जमकर मारपीट हुई थी, आरोप है कि एआईडीएसओ के कार्यकर्ताओं ने एबीवीपीके पांच कार्यकर्ताओं पर हमला कर दिया। पहले एक कार्यकर्ता को रोककर उसके साथ मारपीट की, फिर जैसे ही उसके दोस्त उसे बचाने पहुंचे, तो उन पर भी जानलेवा हमला कर दिया।

मारपीट में घायल तीन छात्रों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, कोतवाली में भी हंगामा हुआ। धक्का-मुक्की के दौरान सीएसपी सीढ़ियों पर गिर गए। मामले में पुलिस ने 5 नामजद आरोपियों समेत अज्ञात आरोपियों पर हत्या के प्रयास, सशस्त्र दंगा करने समेत अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है।

एबीवीपी कार्यकर्ता सोमवार दोपहर रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। यहां अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर एआईडीएसओ पर बैन की मांग की। परिषद के प्रांतीय मंत्री संदीप वैष्णव ने कहा- एआईडीएसओ ने कायराना हरकत की है। यह कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस तरह के संगठनों पर बैन लगाया जाए। उनके कार्यालयों में अवैध गतिविधियां होती हैं, इन्हें तोड़ा जाए।

पोस्टर चिपकाने से जुड़ा है दोनों संगठनों का विवाद

घायल छात्रों ने बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का 57वां मध्य भारत प्रांत अधिवेशन 19 से 22 दिसंबर तक गुना में होने वाला है। जिसके प्रचार प्रसार के लिए शहर में दीवारों पर हम लोग स्लोगन लिख रहे हैं। हमारे स्लोगन और प्रचार को बिगाड़ने के लिए जानबूझकर एआईडीएसओ के कार्यकर्ता उन पर पोस्टर चिपका देते हैं।

एक दिन पहले हमने उनसे ऐसा करने से मना किया था। इसी के चलते उन लोगों ने हथियारों से लैस होकर रुद्र को मारा। जब हम उसे बचाने गए तो हम पर भी हमला कर दिया। हम कुछ समझ पाते तब तक दो लोगों के के सिर फोड़ दिए, एक का हाथ तोड़ दिया जबकि दो साथियों के साथ भी मारपीट की।

धक्का-मुक्की के दौरान सीएसपी सीढ़ियों पर गिरे

पूरे घटनाक्रम के बाद दोनों छात्र संगठनों के कार्यकर्ता सिटी कोतवाली पहुंचे और जमकर हंगामा किया। उस वक्त कोतवाली में सीएसपी भरत नोटिया, टीआई ब्रजमोहन भदौरिया, केंट थाना प्रभारी अनूप भार्गव फोर्स के साथ मौजूद थे। हंगामे और पुलिस से धक्का-मुक्की के दौरान सीएसपी भरत नोटिया सीढ़ियों पर गिर गए। इसके बाद पुलिस ने दोनों संगठनों के कार्यकर्ताओं को कोतवाली से खदेड़ दिया, जबकि कुछ संदिग्ध बदमाशों को पकड़ लिया। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने छ्रूअखिलेश जैन को ज्ञापन सौंपा। इसके बाद वह कलेक्ट्रेट परिसर में ही धरने पर बैठ गए। उनका कहना है कि कलेक्टर को ज्ञापन लेने आना चाहिए था। वह खुद ज्ञापन लेने नहीं आए और अधीनस्थ को भेज दिया। कार्यकर्ता कलेक्टर को नीचे बुलाने की मांग पर अड़े रहे।

एबीवीपी कार्यकर्ता से मारपीट पर बढ़ा विवाद

घटना में गंभीर रूप से घायल छात्र पत्रकार कॉलोनी निवासी दिव्यांश बक्शी ने बताया कि रविवार रात करीब 11.10 बजे वह अपने दोस्तों के साथ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिसर के तेलघानी चौराहे पर स्थित कार्यालय में था। तभी दोस्त रुद्रप्रताप सिंह जादौन ने मोबाइल पर बताया कि एआईडीएसओ के कार्यकर्ताओं ने मुझे सिंह टावर के पास वाले बड़े पुल पर पकड़ लिया है और मारपीट कर रहे हैं।

दिव्यांश और उसके साथी कार्यकर्ता कृष्णप्रताप सिंह जादौन, रुद बौहरे, प्रद्युम्न प्रताप सिंह पवैया, रुदप्रताप सिंह जादौन को बचाने के लिये बड़े पुल पर पहुंचे। वहां पहले से मौजूद एआईडीएसओ कार्यकर्ता शुभम राव, प्रह्लाद राव, राधेश्याम चन्देल, अमरीक संधू, दिनेश सेन और उनके अन्य साथी गालियां देकर चिल्लाने लगे कि इनको जान से खत्म कर दो।

इसके बाद एआईडीएसओ के शुभम राव, प्रह्लाद राव, राधेश्याम चन्देल, अमरीक संधू, दिनेश सेन और उनके अन्य साथियों ने जान से मारने की नीयत से सभी पर लाठी, डंडों, गुप्ती, फरसे से हमला कर दिया।

छात्र का सिर फट गया और हाथ पर चोट आई

मारपीट में दिव्यांश का सिर फट गया और हाथ पर चोट आई। इन लोगों ने कृष्णप्रताप सिंह जादौन, रुद बौहरे, प्रद्युम्न प्रताप सिंह पवैया और रुदप्रताप सिंह जादौन से भी मारपीट की। उन्हें भी शरीर पर भी जगह-जगह चोट आई है।

दिव्यांश की रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने शुभम राव, प्रह्लाद राव, राधेश्याम चन्देल, अमरीक संधू, दिनेश सेन और उनके अन्य साथियों के खिलाफ हत्या के प्रयास, घातक हथियारों से लैस होकर दंगा करने, गाली-गलौज और मारपीट की धाराओं में केस दर्ज किया है। घायल छात्रों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

लेडी टीआई को युवक ने थप्पड़ मारा

टीकमगढ़ में किसान की मौत को लेकर कर रहे थे प्रदर्शन; अफसर ने पहले जड़ा था चांटा

टीकमगढ़ (नप्र)। टीकमगढ़ में एक लेडी टीआई ने युवक को थप्पड़ मार दिया। जवाब में युवक ने भी टीआई के चेहरे पर थप्पड़ जड़ दिया। घटना सोमवार की बड़ागांव थाना क्षेत्र के दरगुवां गांव की है। पुलिस बल्देवगढ़-बड़ागांव रोड जाम कर प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों को समझाने पहुंची थी।

दरअसल, एक किसान की मौत के बाद ग्रामीणों ने हंगामा कर दिया। परिजन और ग्रामीण पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे थे। इसी दौरान बड़ागांव थाना प्रभारी अनुमेहा गुप्ता ने बहस कर रहे युवक को चांटा मारा तो बौखलाए युवक ने जवाब में उन्हें भी थप्पड़ मारा।

पुलिस के रवैये के खिलाफ दे रहे थे धरना

ग्रामीण रामकिशन लोधी ने बताया कि रविवार रात किसान गोकुल लोधी घर से खेत पर जाने के लिए निकला था। सोमवार सुबह करीब 6 बजे परिजन को सड़क पर उसका शव पड़े होने की सूचना मिली। जानकारी लगते ही मृतक के परिजन बड़ागांव थाना शिकायत लेकर पहुंचे। इस दौरान बड़ागांव पुलिस ने बुडेरा थाने का मामला बताकर परिजन को लौटा दिया। पुलिस के रवैये से नाराज परिजन ने ग्रामीणों के साथ सड़क पर शव रखकर जाम लगा दिया। जाम लगने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

थप्पड़ के बाद पुलिस-ग्रामीणों में तनातनी

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। मामला बिगड़ता देख बड़ागांव थाना प्रभारी अनुमेहा गुप्ता मौके पर पहुंचीं। उन्होंने प्रदर्शन कर रहे युवक को चांटा मारा। इसके बाद ग्रामीणों और पुलिस के बीच तनातनी का माहौल बन गया। करीब 1 घंटे बाद ग्रामीणों को समझाइश देकर मामला शांत कराया गया।

एसडीओपी बोले- भीड़ का फायदा उठाकर मारा थप्पड़- टीकमगढ़ एसडीओपी राहुल कटरे का कहना है कि बड़ागांव थाना प्रभारी अनुमेहा गुप्ता जाम हटाने मौके पर पहुंचीं थी। इसी दौरान किसी बात को लेकर युवक से विवाद हो गया। भीड़ का फायदा उठाकर युवक ने थाना प्रभारी को थप्पड़ मार दिया। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कमलनाथ ने 28 साल बाद छिंदवाड़ा में काटा केक

78वें जन्मदिन पर शहर में लगे थे होर्डिंग-बैनर, कवि सम्मेलन में शामिल होंगे कुमार विश्वास

छिंदवाड़ा (नप्र)। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ 28 साल बाद (सोमवार) छिंदवाड़ा में 78वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस दिन को खास बनाने के लिए उनके समर्थकों और कांग्रेस ने विशेष तैयारियां की हैं। प्रदेशभर के दिग्गज नेताओं का छिंदवाड़ा पहुंचने का अनुमान है। बताया जा रहा है कि अधिकांश होटल और लॉज के कमरे बुक थें।

रविवार-सोमवार की रात को शिकारपुर में कमलनाथ ने कमलकुंज में बेटे व पूर्व सांसद नकुलनाथ और समर्थकों के बीच केक काटा। इसके बाद बेटे और बहू प्रिया नाथ के साथ सिमरिया हनुमान मंदिर पहुंच पूजा अर्चना की। मोहखेड़ा कांग्रेस कमेटी ने भी आज सुबह केक काटा।

नेता प्रतिपक्ष समेत ये नेता छिंदवाड़ा पहुंचेंगे- बताया जा रहा है कि विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे, पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया, पूर्व मंत्री बाला बच्चन सहित प्रदेश के दर्जनों नेता जन्म दिन समारोह में शामिल होने छिंदवाड़ा आ सकते हैं।

शाम 6.30 बजे से कवि सम्मेलन- निनाद ललित कला समिति के सचिव आनंद बक्षी ने बताया कमलनाथ की मौजूदगी में दशहरा मैदान (पोलाग्राउंड) में शाम 6.30 बजे से कवि सम्मेलन होगा। जाने माने कवि डॉ कुमार विश्वास, हास्य कवि पद्मश्री डॉ. सुनील जोगी, रमेश मुस्कान, वीर रस की कवयित्री कविता तिवारी, लाफ्टर चैलेंज के दिनेश बावरा व श्रृंगार रस की कवयित्री प्रीति पांडे काव्य पाठ प्रस्तुत करेंगी। आनंद बक्षी ने बताया कि आयोजन में प्रवेश के लिए पास अथवा आमंत्रण की आवश्यकता नहीं है। यह पूर्णतः निःशुल्क है। महिलाओं के बैठने के लिए अलग से व्यवस्था की गई है।

ग्वालियर में युवक-युवती एक-दूसरे का हाथ थामकर एसपी ऑफिस पहुंचे

प्रेमी बोला- प्यार के लिए हिंदू धर्म अपनाऊंगा, प्रेमिका ने कहा- यही मेरा सबकुछ

ग्वालियर (एजेंसी)। आपने प्रेम कहानियां तो बहुत सुनी होंगी, लेकिन ग्वालियर में आजकल एक अलग ही प्रेमी कहानी की चर्चा हो रही है। घर से भागकर एक प्रेमी जोड़े ने लव मैरिज कर लिया है। प्रेमी मुस्लिम समुदाय से है, तो प्रेमिका हिंदू समुदाय से है, लेकिन इस बार इसे लव जिहाद नहीं कहा जा रहा है। अपने प्यार के लिए लड़का लड़की के हिंदू धर्म को अपनाना चाहता है। उसने कहा कि वह प्यार के लिए हिंदू धर्म अपनाएगा।

वहीं दूसरी ओर प्रेमिका का कहना है कि, मेरे लिए अब सब कुछ यही है। इस लव मैरिज का विरोध दोनों के परिवार कर रहे हैं। अब इस प्रेमी जोड़े ने हिम्मत कर ग्वालियर एसपी धर्मवीर सिंह से सुरक्षा की मांगी है। पुलिस अधिकारियों ने इस प्यार को समझते हुए उनकी हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

यह है मामला- यह मामला ग्वालियर के जनकगंज थाना क्षेत्र के सब्जी मंडी के पास स्थित संजय नगर का है। संजय नगर निवासी विक्की उर्फ सलमान खान को पास ही रहने वाली एकता कुमारी से प्यार हो गया। बचपन से दोनों साथ खेले थे और परिवार में आना जाना था। कुछ दिन पहले दोनों ने अपने-अपने धर्म, समाज व परिवार की परवाह न करते हुए घर से भागकर दिल्ली में 13 सितंबर को आर्य समाज मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज के साथ दोनों शादी कर ली। शादी करने के बाद 24 सितंबर को दोनों ग्वालियर वापस लौट आए। इसके बाद वह ग्वालियर के हाईवे स्थित गिरवाई इलाके में किराये पर रूम लेकर रहने लगे थे। इस दौरान एक दूसरे के परिजन दोनों को तलाशते हुए मारपीट करने के लिए ढूंढ़ रहे थे।

परिवार की दोस्ती, दुश्मनी में बदली- अभी तक विक्की और एकता के परिवार आपस में भाइयों की तरह रहते थे, लेकिन उनके प्रेम विवाह के बाद समीकरण बदल गए। इलाके में हिंदू-मुस्लिम और लव जिहाद जैसे वातावरण से तनाव फैल गया। 2 दिन पहले शुक्रवार को विक्की खान के पास उसके पड़ोसी का फोन आया। पड़ोसी ने उसे बताया कि, एकता के परिजन, उसकी (विक्की) मां के साथ मारपीट कर रहे हैं। इसका पता चलते ही जब विक्की अपनी मां को बचाने पहुंचा तो एकता के पिता हरचरण, भाई मनीष, हरगोविंद और सोनू ने उसकी लात-घूंसों और डंडों से मारपीट कर दी। मार्केट के दौरान उसके सर में डंडा लगने से तीन टांके भी आए थे। जिसकी शिकायत उसने अपनी मां शहनाज के साथ जनकगंज थाने पहुंचकर की थी। दोनों के परिवार एक-दूसरे को मारने की दे रहे धमकी।

पुलिस से मांगी अपनी सुरक्षा- इस मामले में युवा प्रेमी जोड़ा ने एसपी ग्वालियर के पास पहुंचकर सुरक्षा की मांग की है। इस मामले में पुलिस ने दोनों के उम्र से संबंधित वैरिफिकेशन के बाद शादी से जुड़े दस्तावेज भी चेक किये। वहीं दूसरी ओर लड़की के परिजन ने भी थाने में मुस्लिम युवक के परिजन द्वारा मारपीट की शिकायत की है। पुलिस ने दोनों पक्षों पर क्रॉस एफआईआर दर्ज की है। अब दोनों पक्ष से प्रेमी जोड़े की जान को खतरा है। साथ ही इलाके में तनाव फैलने की आशंका है। यही कारण है कि पुलिस इस मामले को हायर प्रायोरिटी से ले रही है।

युवती बोली- विक्की ने हिंदू धर्म अपनाने का वादा किया है- विक्की उर्फ सलमान और एकता का कहना है कि वह एक दूसरे से प्यार करते हैं। इस प्यार को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने शादी कर ली है। लेकिन उनके परिवार वाले इस शादी के लिए तैयार नहीं थे। इसलिए उन्होंने घर से भाग कर दिल्ली में हिंदू धर्म को साक्षी मानकर शादी कर ली है।